मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शनिवार, 04 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ कृष्ण पक्ष 05 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 290 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

शुभांगी अत्रे ने सोशल मीडिया और रिश्तों पर रखे विचार 6

रांची राज अस्पताल विवाद में सीएम ने लिया संज्ञान

पैर टूटने पर 22 लाख बिल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिया जांच का आदेश

पैर में फ्रैक्चर का इलाज कराने आया मरीज, सिर तक पहुंचा संक्रमण, सिविल सर्जन करेंगे जांच

मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के मेन रोड स्थित राज हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों के घेरे में है। अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में घोर लापरवाही बरतने और इलाज के नाम पर 22 लाख की मोटी रकम वसूलने के बावजूद मरीज की जान लेने का बेहद गंभीर आरोप लगा है। परिजनों का कहना है कि मरीज को सिर्फ पैर में फ्रैक्चर की वजह से भर्ती कराया गया था, लेकिन अस्पताल की लापरवाही और आईसीयू के खेल ने मरीज को मौत के मुंह में धकेल दिया।

मुख्यमंत्री ने लिया संज्ञान, दिया जांच का आदेशः इस मामले का सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसका कड़ा संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद रांची प्रशासन पूरी तरह रेस हो गया है।

क्या है पूरा मामला?

परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों के अनुसार, मरीज के पैर में फ्रैक्चर हुआ था, जिसके बाद उसे बेहतर इलाज की उम्मीद में रांची के प्रतिष्ठित राज हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती करने के बाद डॉक्टरों और स्टाफ ने अगले दो से तीन दिनों तक मरीज के घाव की ठीक से ड्रेसिंग तक नहीं की। ड्रेसिंग न होने और उचित देखभाल के अभाव में मरीज के पैर का घाव सड़ने लगा और संक्रमण पूरे शरीर में फैल गया। मरीज की स्थिति बिगड़ने का हवाला देकर उसे आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। इलाज के नाम पर परिजनों से करीब 22 लाख वसूल लिए गए। इतनी भारी-भरकम राशि लेने के बाद भी डॉक्टरों ने अंत में हाथ खड़े कर दिए और कहा कि मरीज को बचाया नहीं जा सकता, जिसके बाद मरीज ने दम तोड़ दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और उनका कहना है कि आजकल कुछ प्राइवेट अस्पताल इलाज के नाम पर सिर्फ लूट की दुकान चला रहे हैं, जहां इंसान की जान की कोई कीमत नहीं है।

मुख्यमंत्री ने दिया कड़ी कार्रवाई का निर्देश

यह मामला जैसे ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत संवेदनशीलता दिखाते हुए रांची के डीसी को सोशल मीडिया के जरिए कड़े निर्देश जारी किए। सीएम ने कहा रांची डीसी, इस मामले का तत्काल संज्ञान लें और पूरे मामले की विस्तृत जांच करें। यदि अस्पताल प्रबंधन या डॉक्टर दोषी पाए जाते हैं, तो सभी दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए मुझे सूचित करें।

रांची डीसी एक्शन में, जिला स्तरीय टीम गठित

मुख्यमंत्री के आदेश के तुरंत बाद रांची डीसी ने मामले पर त्वरित कार्रवाई की है। डीसी ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि रांची के सिविल सर्जन (सदर अस्पताल) को मामले की प्राथमिक जांच करने और तुरंत आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक जिला स्तरीय विशेष जांच टीम का गठन कर दिया गया है। यह टीम अस्पताल के रिकॉर्ड, इलाज की प्रक्रिया और मेडिकल बिलों की गहनता से जांच कर जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

पत्नी ने शराब के लिए नहीं दिये पैसे ,पति ने कर ली आत्महत्या

पलामूः जिले में पत्नी से शराब के लिए पैसे नहीं मिलने पर एक पति ने आत्महत्या कर ली। यह घटना पलामू जिले के रामगढ़ थाना अंतर्गत पिपराही नावाडीह गांव की है। मृतक की पहचान नंद यादव के रूप में हुई है। शुक्रवार की रात नंद यादव शराब के नशे में घर पहुंचा था। उसके बाद और शराब लेने के लिए पत्नी से 400 रुपये की मांग कर रहा था। इस बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान नंद यादव ने अपनी पत्नी की पिटाई भी की। इसी बीच नंद यादव अपने कमरे में चला गया और दरवाजा बंद करके आत्महत्या कर ली।

ग्रामीणों ने किसी तरह घर के दरवाजे को तोड़ा और नंद यादव को मौके पर रामगढ़ थाना के स्वास्थ्य केंद्र ले गया। जिसके बाद बेहतर इलाज के लिए उसे मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की पुष्टि करते हुए रामगढ़ थाना प्रभारी ओमप्रकाश शाह ने बताया कि ग्रामीणों के अनुसार पति-पत्नी के बीच पैसे को लेकर विवाद हुआ था। इसी में आत्महत्या की घटना हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि मृतक नंद यादव के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

पाकिस्तान पर भारत का बड़ा एक्शन,

23 दहशतगर्द आतंकी घोषित, यूएपीए के तहत कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली: आतंकवाद के खिलाफ भारत ने पाकिस्तान पर करारा प्रहार किया है। गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान में छिपे 23 दहशतगर्दों को आतंकवादी घोषित कर दिया है। भारत के इस कदम से पाकिस्तान में खलबली मच गई है, क्योंकि इन दुश्मनों को आतंकवादी घोषित कर अब भारत कभी भी सख्त कार्रवाई कर सकता है। यह कार्रवाई यूएपीए यानी गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम के तहत की गई है। इनमें से ज्यादातर आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हैं और पाकिस्तान या पीओके में रह रहे हैं। इस लिस्ट में मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान और हाफिज अब्दुल शकूर जैसे नाम शामिल हैं, जो 2016 में नगरोटा स्थित भारतीय सेना शिविर पर हुए हमले और 2022 में जम्मू के सुंजवां में सुरक्षा बलों पर हुए हमले से जुड़े बताए गए हैं। सबसे चौंकाने वाला नाम मोहम्मद शहीद फैसल उर्फ उस्ताद उर्फ जाकिर का है गजट के मुताबिक उसका स्थायी पता बेंगलुरु, कर्नाटक का है, जबकि वह अभी पाकिस्तान के रावलपिंडी में रह रहा है। दरअसल, केंद्र सरकार का मानना है कि संबंधित व्यक्ति आतंकवाद में शामिल हैं। इसी आधार पर यूएपीए धारा 35 के तहत उसका नाम कानून की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है। इस सूची में शामिल होने के बाद इन आतंकियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का रास्ता आसान हो जाता है। अधिसूचना गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव राकेश राठी ने जारी की है।

क्या है यूएपीएः यूएपीए यानी अनलॉफूल एक्टिविटीज प्रीवेंशन एक्ट है। इसे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम कहा जाता है। यह भारत का प्रमुख आतंकवाद-विरोधी और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून है? इसे वर्ष 1967 में पारित किया गया था? इस कानून का मुख्य उद्देश्य भारत की संप्रभुता और अखंडता को खतरे में डालने वाली गैरकानूनी गतिविधियों और आतंकवादी कृत्यों को रोकना है।

भगोड़ा गैंगस्टर प्रिंस खान के घर पर चला बुलडोजर

धनबादः निरसा विधायक अरुण चटर्जी को धमकी देने के बाद वासेपुर में गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ बड़ा एक्शन शुरू हो गया है। शनिवार को एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस टीम प्रिंस खान के घर पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू कर दी है।

खामेनेई की अंतिम विदाई शुरू, 9 को होंगे सुपुर्द- ए- खाक

-100 से ज्यादा देशों के नेता शामिल, रूस, चीन, भारत ने टॉप लीडर्स नहीं भेजा

एजेंसी

तेहरान : ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरूआत हो गई है। छह दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में करीब दो करोड़ लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरूआत शनिवार (4 जुलाई) से तेहरान में हो गई। राजधानी के ग्रैंड मोसल्ला में हजारों लोग सुबह से ही अंतिम दर्शन के लिए पहुंचने लगे। ईरानी सरकार का दावा है कि अगले तीन दिनों में 1.5 से 2 करोड़ लोग अंतिम यात्रा में शामिल हो सकते हैं। यह 1989 में अयातुल्ला रुहोल्ला खोमैनी के अंतिम संस्कार के बाद देश का सबसे बड़ा जनसमूह माना जा रहा है। खामेनेई के अंतिम संस्कार की शुरूआत 4 जुलाई को हुई, जो अमेरिका के स्थापना दिवस की 250वीं वर्षगांठ भी है। हालांकि ईरान ने आधिकारिक तौर पर इसे प्रतीकात्मक नहीं बताया, लेकिन समारोह के दौरान डेथ टू अमेरिका और बदला-बदला जैसे नारे गूंजते रहे। इससे इस तारीख को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। खामेनेई अंतिम संस्कार का कार्यक्रम 4 से 9 जुलाई तक चलेगा। 4 और 5 जुलाई को तेहरान में आम लोग अंतिम दर्शन करेंगे। 6 जुलाई को राजधानी में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 7 जुलाई को पार्थिव शरीर कोम ले जाया जाएगा, 8 जुलाई को इराक के नजफ और कर्बला में श्रद्धांजलि दी जाएगी और 9 जुलाई को उनके गृह नगर मशहद में दफनाया जाएगा।

लखपति दीदी मिशन को डिजिटल उड़ान, लोकओएस से ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे लखपति दीदी अभियान को अब डिजिटल प्लेटफॉर्म लोक ओएस का बड़ा सहारा मिल रहा है। सरकारी फैक्टशीट के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म बड़े स्तर पर लाभार्थियों तक पहुंच, उनकी प्रगति की निगरानी और डिजिटल मॉनिटरिंग के जरिए इस अभियान को और प्रभावी बना रहा है।

फिलहाल, लोक ओएस के माध्यम से 6,611 मास्टर ट्रेनर, 4।09 लाख कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (सीआरपी), और 3।87 करोड़ संभावित लखपति दीदी का मजबूत नेटवर्क तैयार किया गया है। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म पर 18।50 करोड़ डिजिटल आजीविका रजिस्टर भी उपलब्ध हैं, जो आजीविका की योजना बनाने, उसकी निगरानी करने और उसे लागू करने के लिए मजबूत डिजिटल आधार प्रदान करते हैं। ।लोक ओएस।, दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विकसित एक आधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। इसका उद्देश्य सामुदायिक-आधारित संगठनों की पूरी कार्यप्रणाली को डिजिटल बनाना है। देशभर में इसका विस्तार होने से लखपति दीदी अभियान को नई गति मिली है और ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिल रहा है। साथ ही यह आत्मनिर्भर ग्रामीण समुदायों के निर्माण में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, लोक ओएस रियल-टाइम मॉनिटरिंग और डिजिटल वित्तीय प्रबंधन के जरिए पारदर्शिता, बेहतर प्रशासन और कार्यकुशलता को बढ़ा रहा है। यह सामुदायिक संस्थाओं को मिलने वाली वित्तीय सहायता की भी प्रभावी निगरानी करता है। अब तक प्लेटफॉर्म के जरिए 9,718।41 करोड़ रुपए का रिवॉल्विंग फंड (आरएफ), 64,607।66 करोड़ रुपए का कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड (सीआईएफ) और 38।34 करोड़ रुपए का कम्युनिटी एंटरप्राइज फंड (सीईएफ) ट्रैक किया जा रहा है।

लोक ओएस पर सदस्यों का रिकॉर्ड, प्रोफाइल, बचत, ऋण, पुनभुगतान, वित्तीय लेनदेन, आजीविका गतिविधियां, और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी भी डिजिटल रूप से दर्ज की जाती है। यह प्लेटफॉर्म फिलहाल 34 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, 762 जिलों, 7,241 ब्लॉकों, 2।57 लाख ग्राम पंचायतों, और 5।92 लाख गांवों तक पहुंच चुका है। इसमें वेब और मोबाइल दोनों तरह के एप्लिकेशन उपलब्ध हैं। वेब एप्लिकेशन का उपयोग प्रशासक, ई-बुककीपर और लेनदेन को मंजूरी देने वाले अधिकारी स्वयं सहायता समूह, ग्राम संगठन, क्लस्टर लेवल फेडरेशन और उनके सदस्यों का प्रबंधन करने के लिए करते हैं। वहीं, मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए फील्ड में सामुदायिक संगठनों की गतिविधियों को आसानी से रिकॉर्ड और संचालित किया जाता है।

महाराष्ट्र के भिवंडी में 3 फीट भरा पानी ,दुकानें बंद,गुजरात में बाढ़

- 19 लोगों का रेस्क्यू, उज्जैन में युवक बहा, जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, रोड बंद,

एजेंसी

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटनाः मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंड़ी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं।

राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 26 से ज्यादा जिलों में शुक्रवार को तेज बारिश हुई। उज्जैन में पुलिया पार करने की कोशिश में युवक मोटरसाइकिल समेत बह गया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइक आधी डूब गईं। वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड के चलते रामनगर-उधमपुर रोड बंद कर दी गई।

क्या मुंबई पर मंडरा रहा बड़ा खतरा? रेड अलर्ट के बीच भारी बारिश, तूफानी हवाओं और ऊंची लहरों की चेतावनी

मुंबई : मुंबई में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए शहर और आसपास के इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश, कुछ स्थानों पर अत्यधिक बारिश, 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की तेज हवाओं और ऊंची समुद्री लहरों की चेतावनी दी है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की है।

क्या है आईएमडी का रेड अलर्ट और क्यों बढ़ी चिंता?

आईएमडी ने अपने ताजा पूवार्नुमान में कहा है कि सप्ताहांत के दौरान मुंबई और उपनगरों में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होगी। कुछ इलाकों में अत्यधिक बारिश होने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी कहा कि अलग-अलग स्थानों पर 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। लगातार बारिश और तेज हवाओं के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। इस बार मानसून भले ही देरी से पहुंचा हो, लेकिन सप्ताह की शुरूआत से ही मुंबई में लगातार तेज बारिश हो रही है। शनिवार सुबह 8 बजे तक के पिछले 24 घंटों में शहर के कई इलाकों में 100 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। बीएमसी के अनुसार आइलैंड सिटी में औसतन 99 मिमी, पूर्वी उपनगरों में 98 मिमी और पश्चिमी उपनगरों में 94 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की आशंका बनी हुई है।

इन इलाकों में सबसे ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई?

क्या लोकल ट्रेन और बस सेवाएं प्रभावित हुई हैं?

नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक मुंबई की लोकल ट्रेन, बेस्ट बस और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाएं फिलहाल चालू हैं। हालांकि यात्रियों ने उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवाओं में देरी की शिकायत की है। लगातार बारिश के कारण कुछ रूटों पर ट्रेनों की रफ्तार सामान्य से धीमी रही, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त समय लग रहा है।

प्रशासन ने लोगों को क्या सलाह दी है?

प्रशासन ने लोगों से मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखने की अपील की है। अनावश्यक यात्रा से बचने, जलभराव वाले इलाकों में न जाने और समुद्र किनारे जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है।

न्यूज IN ब्रीफ

संगठन की मजबूती के लिए जेएलकेएम ने किया नियुक्ति विस्तार

मुरी: झारखंड झारखंडलोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के संगठन को सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से नियुक्ति विस्तार किया। नवनियुक्त गठन में जिसमें नवनियुक्त अध्यक्ष कृष्णा चिक बडाइक,कोषाध्यक्ष बजरंग साहु , वरीय उपाध्यक्ष- जितेंद्र महतो, अयुब अंसारी, श्रवण महतो, सुमित कुमार महतो, मुन्ना कुमार, उपाध्यक्ष- सचिन कशयप, लकी राम फलीन्द्र कर माली,हेमन्त महतो, राजेश बैठा, प्रवीण कुमार महतो, जीतिया उरांव, महेन्द्र महतो, रामपदो महतो, सचिव- शंकर महतो, गणेश कुमार महतो, रूपेश कुमार महतो, प्रदीप महतो, लखीन्द्र महतो, विमल महतो, मधुसूदन महतो, राज महतो, रामपदो महतो, प्रवक्ता- जयराम महतो, मीडिया प्रभारी- अरूण कुमार महतो, पंकज महतो, सुरेन्द्र नाथ महतो, गोविन्द महतो, मनोज उरांव, संजु उरांव, अरविंद महतो और करमचंद कुजुर है। इसे लेकर बिधायक ने कहा कि संगठन समरसता के सिद्धांत पर हमेशा चलता रहेगा। सभी जाति, वर्ग एवं संगठन के सहयोग पर काम करेगा।

लैब रिपोर्ट में हुआ खुलासा : सरसों तेल में मिलावट बनी एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत का कारण

पलामू: जिले के पड़वा प्रखंड अंतर्गत सिक्का गांव में पिछले दिनों एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई दुखद मौत के मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। स्टेट फूड टेस्टिंग लैबोरेट्री, रांची की जांच रिपोर्ट ने पुष्टि कर दी है कि इन सभी लोगों की मौत सरसों तेल में खतरनाक रसायन के मिलावट के कारण हुई थी। खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा पीड़ित परिवार के घर से लिए गये सरसों तेल के सैंपल की जांच में आगेमौन मैक्सिकाना (कटेला या पीला धतूरा) के तेल की मिलावट पाई गयी है, जो मानव उपभोग के लिए अत्यंत हानिकारक है।

सरसों और कटेला के बीजों में समानता बनी चुनौतीः जांच प्रतिवेदन के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में पाया जाने वाला कटेला या पीला धतूरा एक खर-पतवार है। इसके बीज सरसों के बीजों से काफी समानता रखते हैं। पलामू के इलाके में उगने वाले इस पौधे के बीज अनजाने में या असावधानी के कारण सरसों के साथ पेराई (क्रशिंग) के लिए चले गये। पीड़ित परिवार जिस सरसों तेल का इस्तेमाल खाने में कर रहा था, उसमें इसी कटेला के बीज का तेल मिला हुआ था, जो इस स्वास्थ्य संकट की मुख्य वजह बना।

मिलावट की कम मात्रा भी होती है हानिकारकः इस संबंध में चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि आगेमौन मैक्सिकाना (कटेला) का तेल खाद्य पदार्थों में शामिल होने पर गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा करता है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सरसों तेल में यदि कटेला के तेल की थोड़ी सी भी मिलावट हो जाये, तो यह पूरे तेल को दूषित और असुरक्षित बना देता है। इसके सेवन से ड्रॉप्सी जैसी गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, जो जीवन के लिए खतरा पैदा करती हैं।

स्वास्थ्य पर पड़ता है प्रतिकूल प्रभावः चिकित्सकीय विशेषज्ञों के मुताबिक, यह जहरीला तेल शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इसके सेवन से होने वाले प्रतिकूल प्रभावों में शरीर में सूजन आना और आंतरिक अंगों की कार्यक्षमता का कम होना शामिल है। सिक्का गांव के पीड़ित परिवार के सदस्यों में भी इसी तरह के गंभीर स्वास्थ्य लक्षण देखे गये थे, जिसके परिणामस्वरूप यह दुखद घटना घटी।

स्वास्थ्य विभाग को भेजी गई रिपोर्ट, अलर्ट जारीः फूड टेस्टिंग लैबोरेट्री रांची ने अपनी अंतिम जांच रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को सौंप दी है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि सरसों तेल में पाया गया आगेमौन का तेल मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत बड़ा जोखिम है। इस खुलासे के बाद स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग सतर्क है। प्रशासन अब ग्रामीण क्षेत्रों में तेल मिलों और बाजारों में बिकने वाले सरसों तेल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने की तैयारी कर रहा है, ताकि भविष्य में ऐसी किसी त्रासदी को रोका जा सके।

कैदी के फरार होने की उड़ी अफवाह, उग्र ग्रामीणों ने किया चक्का जाम

पलामू : जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को उस वक्त भारी तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब एक 8 वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या और दंपती पर कातिलाना हमले के मुख्य आरोपी चितरंजन पासवान के थाने से फरार होने की अफवाह फैल गई। इस खबर के फैलते ही बिंदुबिग्घा गांव सहित आसपास के सैकड़ों ग्रामीण उग्र हो गए। आक्रोशित भीड़ ने तुरंत हैदरनगर-जपला मुख्य मार्ग को बिंदुबिग्घा मोड़ के पास पूरी तरह जाम कर दिया और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस पर लापरवाही का लगा आरोपः सड़क जाम कर रहे ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। उनका सीधा आरोप था कि पुलिस की घोर लापरवाही के कारण इतना बड़ा अपराधी हाजत से भाग निकलने में कामयाब रहा। प्रदर्शनकारियों ने कहा, जिस कातिल को ग्रामीणों ने खुद पकड़कर पुलिस के हवाले किया था, वह पुलिस की कस्टडी से गायब कैसे हो गया? पुलिस जानबूझकर आरोपी को बचा रही है। सड़क जाम होते ही दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और स्थिति बेकाबू होने लगी। मामला गर्माया तो एसडीपीओ ने संभाला मोर्चाः गांव वालों के भारी आक्रोश और चक्का जाम होने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमा तुरंत हरकत में आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) ने सूझबूझ का परिचय दिया और वॉडियो कॉल के जरिये स्थिति को साफ किया। एसडीपीओ ने ग्रामीणों के अफवाहों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पुलिस आरोपी को पूछताछ के लिए हुसैनाबाद लाई है। एसडीपीओ ने कहा कि अभियुक्त चितरंजन पासवान थाने से फरार नहीं हुआ है। इस जघन्य हत्याकांड के मामले में उससे गहन पूछताछ और सुरक्षा कारणों से उसे हैदरनगर से हुसैनाबाद स्थानांतरित (शिफ्ट) किया गया था। किसी ने इलाके में उसके भागने की गलत अफवाह उड़ा दी थी।

गलतफहमी दूर होते ही ग्रामीणों ने खोला जामः वीडियो कॉल पर आरोपी को पुलिस कस्टडी में देखते ही ग्रामीणों की गलतफहमी दूर हो गई। पुलिस के इस कार्रवाई से आक्रोशित ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। इसके बाद ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से हैदरनगर-जपला रोड से जाम हटा लिया, जिसके बाद इस रूट पर यातायात दोबारा सामान्य हो सका। पुलिस प्रशासन ने एक बड़ा बवाल टलने के बाद राहत की सांस ली है।

कचरा प्रबंधन के नए नियम लागू, बड़े संस्थानों को कराना होगा रजिस्ट्रेशन

संवाददाता

रांची : शहर में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, वैज्ञानिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में रांची नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है इसी क्रम में अपर नगर आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में शहर के विभिन्न बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजीएस) के साथ बैठक आयोजित की गई । बैठक का उद्देश्य सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, स्त्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण तथा सभी पात्र संस्थानों का रहट (पोर्टल पर अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करना था ।

इस बैठक में अपर नगर आयुक्त संजय कुमार ने कहा कि 1 अप्रैल 2026 से सभी बल्क वेस्ट जनरेटर के लिए अपने परिसर में चार रंगों के डस्टबिन हरा, नीला, लाल और काला रखना तथा स्त्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण करना अनिवार्य कर दिया गया है । उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और टिकाऊ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है ।

उन्होंने बताया कि रांची नगर निगम क्षेत्र के सभी पात्र बल्क वेस्ट जनरेटर को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीइ) के रहट पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा । नियमों के अनुसार जिन संस्थानों का निर्मित क्षेत्र 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक है, प्रतिदिन 40,000 लीटर या उससे अधिक जल की खपत होती है । ऐसे ही अगर प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, उन्हें बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा गया है ।

इस बैठक में बताया गया कि पोर्टल पर पंजीकरण के माध्यम से संबंधित संस्थानों द्वारा उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के संग्रहण, पृथक्करण, प्रसंस्करण और नियमों के अनुपालन की प्रभावी निगरानी की जाएगी । इससे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और वैज्ञानिक बनेगी । अपर नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी बल्क वेस्ट जनरेटर अपने परिसर में उत्पन्न गीले एवं बागवानी अपशिष्ट का स्वयं प्रसंस्करण सुनिश्चित करें । यदि कोई संस्था ऐसा करने में सक्षम नहीं है, तो उसे अधिकृत एवं पंजीकृत सेवा प्रदाता से प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा ।

इस बैठक के दौरान नगर निगम के अधिकारियों ने रहट पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण की पूरी प्रक्रिया का विस्तृत प्रदर्शन भी किया । जिससे सभी संस्थान निर्धारित समय सीमा के भीतर बिना किसी परेशानी के अपना पंजीकरण पूरा कर सकें ।

अपर नगर आयुक्त संजय कुमार ने कहा कि सभी पात्र संस्थान बिना विलंब रहट पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराएं और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स-2026 के सभी प्रावधानों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें । निर्धारित नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।

इस बैठक में नगर निगम के अधिकारियों, पीएमसी टीम के प्रतिनिधियों तथा शहर के विभिन्न बल्क वेस्ट जनरेटर संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।

अंतरजातीय विवाह से नाराज पिता ने बेटी का किया प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार

पिंडदान कर बेटी से कोई रिश्ता नहीं रखने का ऐलान

संवाददाता

चतरा : जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के गिद्धौर निवासी अशोक पांडेय ने अपनी पुत्री का पुतला बनाकर तथा फोटो लगाकर शुक्रवार को शव यात्रा निकाला। शव यात्रा अपनी पुत्री के अंतरजातीय विवाह करने के विरोध में निकाला। शव यात्रा में गिद्धौर के लगभग सभी ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित थे। शवयात्रा ब्राह्मण समाज के जिला अध्यक्ष एवं प्रखंड अध्यक्ष संजय पांडेय के नेतृत्व में निकाला गया।शवयात्रा घर से निकालकर धोबिनियां शमशान घाट में पहुंचकर विधिवत अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम शव यात्रा में समाज के लोगों ने राम नाम सत्य है का स्लोगन बोल रहे थे।बताया गया कि अंतिम संस्कार के बाद विधिवत श्राद्ध कार्यक्रम भी किया गया।समाज तथा परिजन के लोगों ने बेटी को मृत साबित कर क्रियाकर्म किया है। जिससे भविष्य में इस पुत्री से कोई मतलब नहीं रखा जाएगा। मालूम हो कि अशोक पांडेय की पुत्री ने पांच दिन पूर्व गांव के ही दांगी समाज के प्रमोद दांगी के पुत्र के साथ अंतरजातीय विवाह कर लिया था। जिससे युवती के परिजन काफी नाराज थे। उन्होंने युवती का अंतिम संस्कार कर अपनी नाराजगी जाहिर किया। शव यात्रा में जिला अध्यक्ष संजय पांडेय,प्रखंड अध्यक्ष संजय पांडेय,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य यदुनंदन पांडेय, प्रदीप पांडेय,बैजनाथ पांडेय,सचिव लम्बोदर पांडेय,पिंटू पांडेय,सुधीर पांडेय,सत्यदेव पांडेय समेत समाज के सैंकड़ों लोग शामिल थे।

33.76 करोड़ की सड़क पर सियासी संग्राम

टंडवा-सिमरिया रोड के श्रेय को लेकर भाजपा-झामुमो में घमासान

संवाददाता

चतरा : टंडवा-सिमरिया सड़क के 26 किलोमीटर हिस्से के जीर्णोद्धार के लिए झारखंड सरकार ने 33 ।76 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलते ही भाजपा और झामुमो के बीच श्रेय लेने की होड़ तेज हो गई है। दोनों दल इस परियोजना को अपनी-अपनी पहल का परिणाम बता रहे हैं। जिससे राजनीतिक माहौल गरमा गया है। झामुमो के जिला अध्यक्ष नीलेश उर्फ सोनू सिन्हा ने दावा किया कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव उनकी पार्टी ने सरकार को भेजा था और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर इसे स्वीकृति मिली।वहीं सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास ने कहा कि उन्होंने सितंबर 2025 में पथ निर्माण विभाग को पत्र लिखकर सड़क के जीर्णोद्धार की मांग की थी। उनके अनुशंसा के आधार पर ही इस योजना को मंजूरी मिली है।

दोनों दल सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के दावों का जवाब दे रहे हैं। जिससे सड़क निर्माण से पहले ही श्रेय की राजनीति शुरू हो गई है। हालांकि क्षेत्र के लोगों का कहना है कि उन्हें श्रेय की राजनीति से अधिक सड़क के जल्द निर्माण का इंतजार है। उनका मानना है कि नई सड़क बनने से आवागमन आसान होगा और दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। सिमरिया-टंडवा सड़क कोल वाहनों की आवाजाही और सड़क दुर्घटनाओं के लिए चर्चित है।

रांची पुलिस की जनसुनवाई में 240 शिकायतें प्राप्त

रांची : आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान और पुलिस-जनता संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से रांची जिले के विभिन्न थाना और ओपी में बुधवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण, रांची के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में आम नागरिकों से प्राप्त आवेदन और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस उपाधीक्षकों एवं थाना प्रभारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए थे। जनसुनवाई के दौरान कई थाना क्षेत्रों में संबंधित पुलिस उपाधीक्षक स्वयं उपस्थित रहे और थाना प्रभारियों के साथ मिलकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की।

हजारीबाग प्रमंडल के डीआईजी एकदिवसीय दौरे पर पहुंचे सिमरिया

अनुमंडल पुलिस कार्यालय का किया निरीक्षण एनडीपीएस मामलों की हुई समीक्षा

अफीम की खेती रोकने व कानून-व्यवस्था मजबूत रखने का निर्देश

चतराः हजारीबाग प्रमंडल के डीआईजी अंजनी कुमार झा शुक्रवार को सिमरिया अनुमंडल पुलिस कार्यालय पहुंचे। यहां उन्हें पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इसके बाद डीआईजी ने अनुमंडल पुलिस कार्यालय का निरीक्षण कर अभिलेखों, कार्यप्रणाली और विधि-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने अनुमंडल क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) से जुड़े मामलों, अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों की प्रगति तथा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। डीआईजी ने अधिकारियों को नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और विशेष रूप से अफीम की अवैध खेती पर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अफीम की खेती की रोकथाम के लिए लगातार अभियान चलाया जाए तथा लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए। साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और आम जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया। बैठक में चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी, सिमरिया एसडीपीओ नागरगोजे शुभम भाऊसाहेब, चतरा के एसडीपीओ सन्नी वर्धन, डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार सिंह,सिमरिया थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह, लावालौंग थाना प्रभारी चंदन कुमार सहित अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

टंडवा के कामता गांव के नाले में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने समय रहते पाया काबू

चतरा : जिले के टंडवा प्रखंड क्षेत्र के कामता गांव में शुक्रवार को गांव के नाले में किसी शरारती तत्व द्वारा रासायनिक तेल बहाकर आग लगा दी गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे नाले में फैल गई, जिससे आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रखंड कर्मी परवेज अंसारी ने तत्काल टंडवा बीडीओ को इसकी जानकारी दी। बीडीओ के निर्देश पर एनटीपीसी से फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर बुलाई गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने के कारण आसपास के कई घर आग की चपेट में आने से बच गए। घटना के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। फिलहाल आग लगाने वाले शरारती तत्व की पहचान की जा रही है।

उपायुक्त के त्वरित संज्ञान से ढेबो गांव की वृद्ध महिला को राहत

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृत

खबर का हुआ असर

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत डाहा पंचायत के ढेबो गांव में जर्जर आवास में रह रही एक वृद्ध विधवा महिला से संबंधित खबर के अखबारों में प्रकाशन के बाद मामला संज्ञान में आने पर उपायुक्त रवि आनंद ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जिला समन्वयक, ग्रामीण आवास योजनाएं को जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उपायुक्त के निर्देश के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी, हंटरगंज द्वारा मामले की त्वरित जांच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया। जांच प्रतिवेदन के आधार पर संबंधित लाभुक को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना (ग्रामीण) के तहत लाभान्वित करने हेतु आवास अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी की गई।इसी क्रम में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद ने संबंधित लाभुक वृद्ध महिला को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास स्वीकृति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने लाभुक को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से आवास निर्माण कार्य पूर्ण कराने की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार का लक्ष्य है कि राज्य का कोई भी पात्र एवं जरूरतमंद परिवार सम्मानजनक आवास जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे। जिला प्रशासन सरकार के इसी संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सबका सपना, पक्का घर हो अपना की भावना को साकार करने के लिए पात्र लाभुकों तक आवासीय योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जनसरोकार से जुड़े मामलों में प्राप्त शिकायतों एवं सूचनाओं पर त्वरित संज्ञान लेकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

मोरहाबादी साप्ताहिक हाट बाजार बंद होने पर फूटा सब्जी विक्रेताओं का गुस्सा, सड़क पर उतरे सैकड़ों दुकानदार

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान के समीप पिछले कुछ वर्षों से लग रहे साप्ताहिक हाट बाजार को प्रशासन द्वारा बंद किए जाने के बाद शनिवार को सैकड़ों सब्जी विक्रेता सड़क पर उतर आए। अपने रोजगार पर संकट आने से नाराज दुकानदारों ने जिला प्रशासन और रांची नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

बताया जा रहा है कि मोरहाबादी क्षेत्र में प्रत्येक सप्ताह लगने वाले इस हाट बाजार में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने पहुंचते थे। हालांकि बाजार लगने के कारण सुबह और शाम के समय सड़क पर भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए प्रशासन ने

अचानक बाजार को बंद कराने का निर्णय लिया।

प्रशासन के इस फैसले के बाद शनिवार को बड़ी संख्या में सब्जी विक्रेता एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बाजार बंद कर देने से उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ा है। कई दुकानदारों ने कहा कि वे वर्षों से यहां दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं और अचानक बाजार बंद होने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

दुकानदारों ने प्रशासन से मांग की कि उन्हें जल्द से जल्द वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे अपना व्यवसाय जारी रख सकें। उनका कहना है कि जब तक उचित व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक बाजार को बंद नहीं किया जाना चाहिए।

विरोध प्रदर्शन को देखते हुए किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे दुकानदारों को समझाने का प्रयास किया और उन्हें वैकल्पिक स्थान पर दुकान लगाने के संबंध में जानकारी दी। फिलहाल प्रशासन और दुकानदारों के बीच बातचीत जारी है।

प्रदर्शन के कारण मोरहाबादी क्षेत्र में कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। प्रशासन का कहना है कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और आम लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। वहीं, दुकानदारों का कहना है कि जब तक उनके लिए स्थायी और उचित वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

निगम की कार्रवाई साप्ताहिक हाट बाजार किया बंद

रांची : राजधानी के मोरहाबादी में कुछ सालों से लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजार को बंद कर दिया गया। बाजार लगने से सुबह और शाम जाम की स्थिति उत्पन्न होने लगी थी। जिसके बाद प्रशासन ने अचानक बाजार बंद कर दिया गया। बंद किए जाने के विरोध में शनिवार यानी आज सैकड़ों सब्जी विक्रेता सड़कों पर उतर आए। इस फैसले से आक्रोशित दुकानदारों ने जिला प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की. स्थिति को नियंत्रित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस फिलहाल दुकानदारों को समझाने और दूसरे जगह दुकान लगाने की बात कह रही है।

बच्ची ने खेल-खेल में पकड़ा करैत सांप, बिगड़ी तबीयत

मेट्रो रेज

रांची: जिले के सिल्ली थाना क्षेत्र के कोकालग्राम गांव में एक दो वर्षीय बच्ची ने खेल-खेल में घर में घुसे एक जहरीले करैत सांप को पकड़ लिया। कुछ ही देर बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। मिली जानकारी के अनुसार, कोकालगाम निवासी संजय महतो की दो वर्षीय बेटी पूर्णिमा कुमारी अपने घर के आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान एक विशाल करैत सांप घर में घुस आया। मासूम बच्ची ने अनजाने में सांप को पकड़ लिया और उसके साथ खेलने लगी। बच्ची की मां की नजर पड़ते ही उन्होंने शोर मचाकर परिवार के अन्य सदस्यों को बुलाया।

परिजनों ने तत्काल बच्ची से सांप को अलग किया और उसे एक घड़े में बंद कर दिया। कुछ देर बाद बच्ची की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और वह बेहोश हो गई, आनन-फानन में उसे सिल्ली अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया। फिलहाल बच्ची का

इलाज जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा।

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

लापता बालिका सुजाता एक्का, उम्र-करीब 14 वर्ष, पे0-मिखाएल एक्का, सा0- गिरजा टोली गरजा, थाना एवं जिला-सिमडेगा, राज्य-झारखण्ड, दिनांक-13.06.2026 को समय करीबदोपहर के 02:00 बजे सिमडेगा जा रही हूँ कहकर घर से निकली थी, जो अब तक अपने घर नहीं लौटी है। गुमशुदा बालिका की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है:-

हुलिया की विवरणी :-

लिंग :- स्त्री।

उम्र :- 14 वर्ष।

रंग :- गोरी।

ऊँचाई :- 04 फीट 05 ईंच।

भाषा :- सादरी एवं हिन्दी।

पहनावा :- सलवार सुट एवं सफेद चप्पल।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त लापता बालिका के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा - मोबाइल नं0-9431116444

पुलिसउपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा - मोबाइल नं0-9431706227

थानाप्रभारी, सिमडेगा - मोबाइल नं0-9431706231

पुलिसनियंत्रण कक्ष, सिमडेगा - मोबाइल नं0-9262998531

मानवतस्करीसंबंधीटोलफ्री नं0 - मोबाइल नं0-1800-3456-256

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा।

PR 383952 (Simdega) 26-27 (D)

विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 : एन्यूमरेशन फार्म के वितरण, संग्रहण व डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

- धीमी कार्य प्रगति पर कई बीएलओ व अन्य को कारण बताओ नोटिस
- बीएलओ को सुबह 6:00 बजे से घर-घर पहुंचकर फॉर्म वितरण करने का निर्देश

मेट्रो रेज

रांचीः विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत एन्यूमरेशन फार्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सभी इआरओ, एईआरओ , जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर उपस्थित थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि एन्यूमरेशन फार्म के वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य में गति लाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप

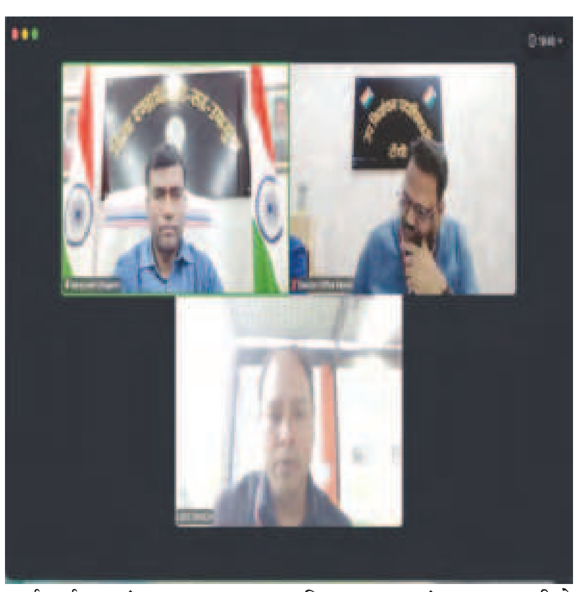

कार्य पूर्ण कराएं।

उपायुक्त द्वारा बीएलओ को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फार्म का वितरण एवं संग्रहण करें, ताकि अधिकतम मतदाता घर पर मिल सकें और दिन के उत्तरार्ध में संग्रहित प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटाइजेशन सुनिश्चित किया जाए, जिससे कार्य में तेजी आए।

बैठक में समीक्षा के दौरान धीमी कार्य प्रगति पर कई ईआरओ,एईआरओ व बीएलओ के कार्य पर असंतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। मंजूनाथ भजन्त्री ने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी तथा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा।

श्री भजन्त्री द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को प्रतिदिन कार्य की समीक्षा कर प्रगति की सतत निगरानी करने तथा वितरण, संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन के कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया।

जेसीआई उड़ान का दो दिवसीय ग्लिट्ज एंड ग्लैम फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन 17 जुलाई से, पोस्टर जारी

मेट्रो रेज

रांचीः सामाजिक सरोकारों से जुड़ी संस्था जेसीआई रांची उड़ान के तत्वावधान में दो दिवसीय और ग्लिट्ज एंड ग्लैम-2026 फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन का शुभारंभ 17 जुलाई को राजधानी के कांटा टोली-डंगरा टोली रोड पर अवस्थित स्वर्ण भूमि सभागार में होगा। इस एग्जीबिशन को लेकर शुक्रवार को राजधानी के रॉक गार्डन स्थित ओडीआई रेस्टोरेंट में पोस्टर रिलीज किया गया। जेसीआई रांची की प्रेसिडेंट प्रिया लखोटिया ने बताया कि विगत कई वर्षों से यह प्रदर्शनी फैशन लाइफस्टाइल और शॉपिंग प्रेमियों के लिए एक विशेष आकर्षण का केंद्र रही है। इस वर्ष भी देश के विभिन्न शहरों, जयपुर, दिल्ली, कोलकाता, पटना, इंदौर, आसनसोल एवं कटक से उद्यमी अपने नवीनतम व आकर्षक उत्पादों की प्रदर्शनी लगायेंगे। इस दो दिवसीय प्रदर्शनी में लेडिज एवं बच्चों के फैशनेबल परिधान, ट्रेंडी

फैशन ज्वैलरी एवं एसेसरीज, आकर्षक होम डेकोर व लाइफ स्टाइल उत्पाद, राखी एवं विशेष उपहार संग्रह, स्वादिष्ट व्यंजन के लिए फूड स्टॉल सहित अन्य स्टॉल लगाए जाएंगे। प्रदर्शनी में आने वाले आगंतुकों के लिए विशेष ऑफर्स, आकर्षक उपहार एवं कई सरप्राइज भी रहेंगे। फैशन लाइफस्टाइल एग्जिबिशन के पोस्टर रिलीज के अवसर पर प्रायोजकों का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर आइपीपी अदिति मेवाड़ा, फाउंडर प्रेसिडेंट राखी जैन, पूर्व पीआरओ पूजा केसरी, निधि सर्राफ, पीआरओ शिल्पी अग्रवाल सहित काफी संख्या में जेसीआई रांची उड़ान की सदस्यगण उपस्थित थीं।

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड
कार्यालय, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी, राँची

सामयिक सूचना अंकः 02/2026

धान में बीजोपचार

प्रिय किसान बंधुओं,

धान झारखण्ड की मुख्य खरीफ फसल है, जिसकी खेती सर्वाधिक किसानों द्वारा की जाती है। आवश्यक है कि धान की स्वस्थ्य और उत्तम नर्सरी तैयार हो, ताकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त हो सके। इस लिए बीजो को उपचारित कर लगाने की अनुशंसा की जाती है। मिट्टी एवं बीज में उपस्थित रोग कारक फसल को रोगी बनाते है, जिससे फसल की उपज में कमी होती है। यदि इन रोग कारकों को पूर्व में ही नष्ट कर दिया जाय तो फसल में रोग होने की संभावना कम हो जाती है। इसके लिए बीज लगाने से पूर्व अनुशंसित रसायन को बीज में मिलाया जाता है। बीजों में रसायन का मिलाना ही बीजोपचार है। बीजोपचार प्रक्रिया अत्यंत सस्ती एवं सरल है, जिसके द्वारा अल्प श्रम एवं व्यय से बहुत बड़े क्षेत्र की फसल को बचाया जा सकता है। अतः बीज लगाने से पूर्व बीजोपचार कराना न भूलें।

बीजोपचार क्यों ?

1. बीजजनित रोगों से सुरक्षा।
2. बीज सड़न में कमी।
3. बेहतर अंकुरण।
4. जड़ में वृद्धि।
5. प्रतिरोधी क्षमता का विकास।
6. स्वस्थ एवं सुदृढ़ फसल।
7. उत्पादन में वृद्धि।

धान में बीजोपचार की विधि –

1. यदि पिछली फसल के बीजो का उपयोग कर रहे है तो 500 गाम नमक को 10 लिटर पानी में घोल ले। उसमें धीरे-धीरे बीज डाल दें। हल्के, बीमार, खोखले बीज पानी के उपर तैरने लगेंगे, उन्हे हटा कर बाकी बीजो को साफ पानी से 2-3 बार धो दे।
2. **रसायनिक फफुंदनाशी** कार्बेन्डाजिम 50 % wp (बाजार में प्रचलित नाम –वेमिस्टीन, धानुस्टिन, जेकेस्टीन इत्यादि) अथवा थियोफिनेट मिथाइल (रोको) का 2 gm प्रति किलोग्राम बीज की दर से लगभग 80 ml पानी (प्रति kg बीज) अथवा **जैविक फफुंदनाशी** ट्राइकोड़रमा विरीडी (मॉनिटर) सुडोमोनस फ्लुओरेसेन्स 10 gm/kg बीज की दर से हाथ में दस्ताना पहनकर या सीड/ड्रेसिंग ड्रम में डालकर अच्छी तरह मिला दे, तब छाया मे सुखाकर के दो घन्टा के बाद बीज को नर्सरी के लिए डालें। इस प्रकार बीजोपचार करने से धान में ब्लास्ट, झुलसा, फाल्स स्मट, शीथ ब्लाईट, शीथ रॉट, इत्यादि रोग से बचाव होता है तथा उत्पादन में वृद्धि लाई जा सकती है।

कनीय पौधा सरंक्षण पदाधिकरी,
राँची

PR 383921 (Agriculture)26-27*D

राज्यपाल ने किया श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के नवनिर्मित श्री राम वाटिका के अनुकूलित सभागार का उद्घाटन

मेट्रो रेज

रांचीः श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के तृतीय ताले पर नवनिर्मित श्री राम वाटिका के अनुकूलित सभागार का विधिवत्त उद्घाटन राज्यपाल संतोष गंगवार द्वारा नारियल फोड कर किया गया । उद्घाटन के पूर्व राज्यपाल संकट मोचन हनुमान मंदिर में भगवान के पूजन एवं हवन में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुणाल अजमानी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अजमानी परिवार रांची की जनता के लिए आज से यह सभागार समर्पित करती है और गरीब लड़कियों की शादी धार्मिक सामाजिक कार्यों में इसका उपयोग हो। श्री राम वाटिका का निर्माण श्री महावीर मंडल रांची महानगर के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय

तिलक राज अजमानी की स्मृति में अजमानी परिवार की ओर से बनाया गया है। राजपाल का स्वागत स्वर्गीय तिलक राज अजमानी की धर्मपत्नी विजया अजमानी ने किया। अन्य अतिथियो का स्वागत गुलशन लाल अजमानी, प्रिंस अजमानी ,पूजा अजमानी,सुशील अजमानी, श्यामानंद पांडे ,देवेश अजमानी, अशोक चौधरी , बादल सिंह, राकेश गिरधर द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुणाल अजमानी धन्यवाद ज्ञापन रांची के पूर्व विधायक गुलशन लाल अजमानी एवं मंच का संचालन रोहित शारदा ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि शहर के बीचों बीच इस तरह का सभागार बहुउद्देशीय कार्य में लिया जा सकता है जिससे जरूरतमंद एवं गरीबों के लिए भी उपलब्ध कराकर उन्हें भी सुख की अनुभूति प्रदान करने का कार्य यह सभागार कर सकती है साथ ही धार्मिक सामाजिक आयोजनों एवं बैठकों में भी इसका उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर चिन्मय मिशन के परिपूर्णननंद स्वामी , श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर के महत त्यागी बाबा रांची की महापौर रोशनी खलको रांची के विधायक सीपी सिंह ने भी मंच को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राज्यसभा के पूर्व सांसद अजय मारू और उप महापौर संजीव विजयवर्गीय अजीत सहाय , पवन शर्मा, धीरज तनेजा,आदित्य मल्होत्रा, राजेश खन्ना,राजेश मेहरा, सुधीर उगल, डॉ दिलीप सोनी, टुन्ना सिंह,राजेश्वर राजन,, दीपक मारु ,विनय अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल,दीपक अग्रवाल सहित मारवाड़ी सम्मेलन ,अग्रवाल सभा, महेश्वरी सभा ,पंजाबी हिंदू बिरादरी, विभिन्न महावीर मंडल के अखाड़े के प्रतिनिधि सहित अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संगठन के लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखंड
कार्यालय, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी, राँची

सामयिक सूचना अंकः 02/2026

धान में बीजोपचार

प्रिय किसान बंधुओं,

धान झारखण्ड की मुख्य खरीफ फसल है, जिसकी खेती सर्वाधिक किसानों द्वारा की जाती है। आवश्यक है कि धान की स्वस्थ्य और उत्तम नर्सरी तैयार हो, ताकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त हो सके। इस लिए बीजो को उपचारित कर लगाने की अनुशंसा की जाती है। मिट्टी एवं बीज में उपस्थित रोग कारक फसल को रोगी बनाते है, जिससे फसल की उपज में कमी होती है। यदि इन रोग कारकों को पूर्व में ही नष्ट कर दिया जाय तो फसल में रोग होने की संभावना कम हो जाती है। इसके लिए बीज लगाने से पूर्व अनुशंसित रसायन को बीज में मिलाया जाता है। बीजों में रसायन का मिलाना ही बीजोपचार है। बीजोपचार प्रक्रिया अत्यंत सस्ती एवं सरल है, जिसके द्वारा अल्प श्रम एवं व्यय से बहुत बड़े क्षेत्र की फसल को बचाया जा सकता है। अतः बीज लगाने से पूर्व बीजोपचार कराना न भूलें।

बीजोपचार क्यों ?

1. बीजजनित रोगों से सुरक्षा।
2. बीज सड़न में कमी।
3. बेहतर अंकुरण।
4. जड़ में वृद्धि।
5. प्रतिरोधी क्षमता का विकास।
6. स्वस्थ एवं सुदृढ़ फसल।
7. उत्पादन में वृद्धि।

धान में बीजोपचार की विधि –

1. यदि पिछली फसल के बीजो का उपयोग कर रहे है तो 500 गाम नमक को 10 लिटर पानी में घोल ले। उसमें धीरे-धीरे बीज डाल दें। हल्के, बीमार, खोखले बीज पानी के उपर तैरने लगेंगे, उन्हे हटा कर बाकी बीजो को साफ पानी से 2-3 बार धो दे।
2. **रसायनिक फफुंदनाशी** कार्बेन्डाजिम 50 % wp (बाजार में प्रचलित नाम –वेमिस्टीन, धानुस्टिन, जेकेस्टीन इत्यादि) अथवा थियोफिनेट मिथाइल (रोको) का 2 gm प्रति किलोग्राम बीज की दर से लगभग 80 ml पानी (प्रति kg बीज) अथवा **जैविक फफुंदनाशी** ट्राइकोड़रमा विरीडी (मॉनिटर) सुडोमोनस फ्लुओरेसेन्स 10 gm/kg बीज की दर से हाथ में दस्ताना पहनकर या सीड/ड्रेसिंग ड्रम में डालकर अच्छी तरह मिला दे, तब छाया मे सुखाकर के दो घन्टा के बाद बीज को नर्सरी के लिए डालें। इस प्रकार बीजोपचार करने से धान में ब्लास्ट, झुलसा, फाल्स स्मट, शीथ ब्लाईट, शीथ रॉट, इत्यादि रोग से बचाव होता है तथा उत्पादन में वृद्धि लाई जा सकती है।

कनीय पौधा सरंक्षण पदाधिकरी,
राँची

PR 383921 (Agriculture)26-27*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

स्मार्टफोन की चमकीली दुनिया और बेबस होते माता-पिता

रात के एक या दो बजे का समय है। पूरे घर में अंधेरा पसरा है, सिवाय एक बेडरूम के दरवाजे के नीचे से छनकर आती मोबाइल की उस धुंधली नीली रोशनी के। आधी रात को माँ की आँख खुलती है। वह पानी पीने के लिए उठती है और सहज भाव से अपने बच्चे के कमरे में झांकती है। वहाँ वो बिस्तर पे बैठा हैं-हाथ में मोबाइल है और कानों में हेडफोन मजबूती से जड़े हैं। स्क्रीन पर कुछ न कुछ चल रहा है; कोई गेम पूरे जोर से चल रहा है। वक्त का होश तो जैसे पूरी तरह खो चुका है। तुम अभी तक सोए नहीं? स्वाभाविक रूप से एक थका हुआ, चिंतित सवाल हवा में तैरता है। बस मम्मा, थोड़ा सा बाकी है। अगले पाँच-दस मिनट में पक्का सो रहा हूँ, उधर से रटा-रटाया जवाब आता है। वे दस मिनट कब दो घंटों में बदल जाते हैं, कोई नहीं जानता। आखिरकार नींद आ ही जाती है, पर कब? इसका सटीक हिसाब किसी के पास नहीं होता। आज देश-दुनिया के अधिकांश घरों में हर रात यही कहानी दोहराई जा रही है।

अगले दिन फिर वही चक्र चलता हैः दिन के ग्यारह या बारह बजे तक सोए रहना, और कई बार टोकने के बाद ही बिस्तर छोड़ना। जब वे आखिरकार उठते हैं, तो एक हाथ में फोन और दूसरे हाथ में कॉफी का कप होता है। शरीर तो जाग जाता है, लेकिन दिन की जो एक प्राकृतिक लय होती है, वह पूरी तरह दम तोड़ चुकी होती है। रात भर जागना, दोपहर में आँखें खोलना, और भोर होने तक लैपटॉप या मोबाइल की स्क्रीन को टकटकी लगाकर ताकते रहना ही अब 'नया नॉर्मल' बन गया है। समय बदलता है, तकनीक आगे बढ़ती है और जीवनशैली उसके अनुसार ढल जाती है। यहाँ तक तो सब ठीक है। लेकिन मानव शरीर की बुनियादी जरूरतें नहीं बदलतीं। मानवीय जिस्म को शारीरिक आराम की दरकार होती है। मन को गहरी, सुकून भरी नींद मिलनी चाहिए। आँखों को अंधेरे की और दिमाग को खुद को दोबारा तरोताजा व व्यवस्थित करने के लिए शांत समय की आवश्यकता होती है। मगर आज की पीढ़ी मानो अपने ही बायोलॉजी से युद्ध लड़ रही है। उन्हें शायद यह मुगालता हो गया है कि ढेर सारी तकनीक और डेटा के दम पर वे इंसानी शरीर के नियमों को मात दे सकते हैं और अपनी जैविक घड़ी (बायो-रिदम) को ठेंगा दिखा सकते हैं। जब हम बच्चे थे, तो गर्मियों की छुट्टियों की एक अलग ही जादुई दुनिया हुआ करती थी। हम खुले आसमान के नीचे छत पर सोते थे, टिमटिमाते तारों को निहारते हुए परिवार से बतियाते थे। हम सूरज उगने से पहले उठ जाते थे, जहाँ पक्षियों की चहचहाहट और भोर की ताजी हवा एक नए उत्साह के साथ हमारा स्वागत करती थी। हमारे दिन खेलने, किताबें पढ़ने, गलियों में घूमने और आपस में बातें करने में बीतते थे। आज, कई बच्चे भूल चुके हैं कि सूर्योदय असल में कैसा दिखता है। वे सुबह की उस शांत लहर और चिड़ियों के चहकने के सीधे गवाह ही नहीं बन पाते। इस बदलाव का दुख सिर्फ पुरानी यादों का रोना नहीं है; बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आने वाले कल को लेकर एक सच्ची और गहरी चिंता है। आज के किशोरों ने वक्त के पहिये को ही उलट दिया है-रात को दिन और दिन को रात बना डाला है। माता-पिता होने के नाते, हम मूकदर्शक बनकर यह सब देखते हैं। शुरूआत में हम टोकते हैं। प्यार से समझाते हैं। फिर, हम इसके बुरे नतीजों से आगाह करने की कोशिश करते हैं। अपनी बातें बार-बार दोहराते हैं। कभी गुस्सा फूटता है, तो कभी हम मिन्नतें करने लगते हैं। लेकिन आज के बच्चों के पास पलटवार करने के लिए पहले से रिकॉर्डेड जवाबों का एक पूरा तरकश तैयार रहता हैः इन दुत्कार भरे जवाबों को रोज-रोज सुनकर माता-पिता आखिरकार घुटने टेक देते हैं और चुप हो जाते हैं। मगर उनका मन शांत नहीं होता। वे अपने तजुर्बे से जानते हैं कि अगर आप अपने शरीर के साथ खिलवाड़ करेंगे, तो देर-सबेर आपको इसकी भारी कीमत चुकानी ही पड़ेगी। बीस या पच्चीस साल की उम्र में इंसान खुद को अजेय समझता है, लगता है कुछ नहीं होगा। लेकिन नींद की यह लगातार कमी, बेपटरी हो चुकी दिनचर्या, शारीरिक मेहनत से दूरी और स्क्रीन के सामने घंटों गुजारने के ये छोटे-छोटे बीज जो चुपचाप बोए जा रहे हैं; वक्त के साथ, वे पनपते हैं और एक गंभीर शक्ल अख्तियार कर लेते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन घर कर जाता है। एकाग्रता टूटने लगती है। जीवन का उत्साह और ऊर्जा फीकी पड़ जाती है। अपनों से बातचीत का दायरा सिमटने लगता है, आत्मविश्वास डगमगा जाता है, और सबसे दुखद बात यह है कि जिंदगी की छोटी-छोटी मासूम खुशियाँ काफूर होने लगती हैं। फिर भी, माता-पिता के लिए सबसे बड़ी त्रासदी इन नतीजों को देखना नहीं है; बल्कि यह जानलेवा अहसास है कि वे अब चाहकर भी अपने बच्चों के दिल तक नहीं पहुँच पा रहे हैं, उनसे संवाद के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। हर पीढ़ी को लगता है कि उनके माता-पिता उन्हें समझ नहीं पाते। लेकिन सच तो यह है कि माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी ही बच्चों को समझने के नाम कर देते हैं। वे एक अबोध बच्चे के रोने की वजह पहचान लेते हैं। वे स्कूल के दिनों की अनकही उलझनों और घबराहट को भांप लेते हैं। वे बच्चे की पहली नाकामी का दर्द खुद महसूस करते हैं और उनके पहले प्यार की धड़कन को पहचानते हैं। यहाँ तक कि जब बच्चे पूरी तरह खामोश होते हैं, तब भी माता-पिता सिर्फ उनका चेहरा देखकर उनके भीतर का हाल पढ़ लेते हैं। फिर एक दिन ऐसा आता है जब वही बच्चे बड़े हो जाते हैं, और सीधे आँखों में आँखें डालकर कह देते हैं, ₹आप कुछ नहीं समझते ! यह एक जुमला माता-पिता के कलेजे को सबसे गहरा घाव देता है। माता-पिता अपने बच्चों के दुश्मन नहीं होते; वे तो उनके सपनों के सबसे सच्चे और पहले गवाह होते हैं। वे उनकी कामयाबी के लिए सबसे पहले दुआ मांगते हैं और जब बच्चा नाकाम होता है, तो अंदर से टूटने वाले भी वही पहले शख्स होते हैं। वे बच्चों की बीमारी में रात-रात भर जागते हैं और बच्चों की छोटी सी जीत का जश्न खुद की किसी भी कामयाबी से बढ़कर मनाते हैं। जब कोई माँ या पिता बच्चे को रात भर जागने से मना करते हैं, तो यह उन्हें अपनी उंगलियों पर नचाने या नियंत्रित करने की चाहत नहीं होती। यह विशुद्ध प्यार से जनम लेता है। यह उनके तजुर्बे, फिक्र और एक बेहद निस्वार्थ डर से पैदा होता है किः ₹जो परेशानियां मैंने देखीं, मेरा बच्चा उनसे न जूझे। लेकिन जब तमाम कोशिशों और अंतहीन बातचीत के बाद भी कुछ नहीं बदलता, तो माता-पिता धीरे-धीरे अपनी एक खामोश दुनिया में सिमट जाते हैं। बच्चे अक्सर इस चुप्पी को उनकी बेरुखी या लापरवाही मान लेते हैं, उन्हें लगता है कि अब मम्मी-पापा को कोई फर्क नहीं पड़ता। मगर हकीकत इसके उलट होती है; वे फिक्र से मरे जा रहे होते हैं। बस, वे इस कड़वे सच को स्वीकार कर चुके होते हैं कि अब शब्दों की ताकत जवाब दे चुकी है, और अब जिंदगी की ठोकरें ही खुद उनकी संतान को सबक सिखाएंगी। यह चुप्पी कोई हार नहीं है; यह एक बेहद दुखद और लाचार स्वीकारोक्ति है। एक भारी बेबसी। जिस दिन माता-पिता बहस करना बंद कर देते हैं, उस दिन से उनकी चिंताएं कम नहीं होतीं- बल्कि वे और ज्यादा बढ़ जाती हैं। क्योंकि 'माता-पिता' होना एक ऐसी उम्रकैद है, जहाँ बच्चे भले ही पचास साल के हो जाएं, उनके लिए फिक्र कभी खत्म नहीं होती। उम्र के साथ बस डर का स्वरूप बदल जाता है, पर वह दिल से कभी विदा नहीं लेता।

यह बिल्कुल जरूरी नहीं है कि आप अपने माता-पिता की हर बात को पत्थर की लकीर मानें। आप उनकी हर राय से पूरी तरह सहमत हों, यह भी आवश्यक नहीं है।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

> राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है।

ललित गर्ग

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है।

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने ह्यनाह्ण कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है?

इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धमार्चार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं।

मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मयार्दाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित ह्यलव जिहादह्ण जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं।

लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं।

विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना।

पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

> उत्तर प्रदेश की ह्यआदित्यनाथ परिघटनाह्ण दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है।

प्रो. संजय द्विवेदी

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि ह्यअपनी राजनीतिह्ण के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम ह्यसेकुलरह्ण नहीं है। उत्तर प्रदेश की ह्यआदित्यनाथ परिघटनाह्ण दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धमार्चार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी। यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं। यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है-राम, रोटी और इंसाफ। लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है। आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना। एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जगन्नाथ रथ यात्रा का रहस्य: पूरी के इस मंदिर में दर्शन से क्यों मिलता है मोक्ष का वरदान?

ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए हर साल लाखों भक्त पहुंचते हैं। मान्यता है कि जगन्नाथ धाम के दर्शन करने मात्र से जातक को उनकी कृपा प्राप्त होती है। वहीं ओडिशा के पुरी में सिर्फ जगन्नाथ मंदिर ही नहीं बल्कि गुंडिचा मंदिर भी है। यहां पर भगवान जगन्नाथ विश्राम के लिए आते हैं, इसको उनकी मौसी का घर भी कहा जाता है। गुंडिचा मंदिर जगन्नाथ धाम से करीब 3 किमी दूर स्थित है। हर साल भव्य और विशाल रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर सबसे अहम पड़ाव माना जाता है। इस बार 16 जुलाई 2026 से जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरूआत होगी। मान्यता है कि रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन मात्र से ही व्यक्ति को जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति मिल जाती है।

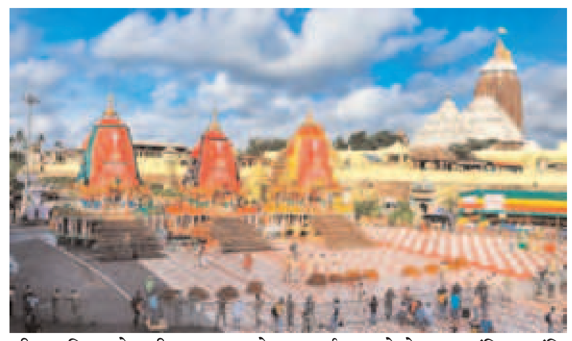

गुंडिचा मंदिर क्यों है खास

हिंदू परंपराओं के अनुसार, रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथों पर सवार होकर अपनी मौसी यानी की गुंडिचा मंदिर जाते हैं। इस दौरान भगवान यहां पर 7 दिनों तक रुककर विश्राम करते हैं। इस कारण पुरी के सबसे खास मंदिरों में गुंडिचा मंदिर शामिल है। हर श्रद्धालु जगन्नाथ भगवान के दर्शन करने के बाद गुंडिचा मंदिर जरूर आते हैं।

आध्यात्मिक महत्व

धार्मिक आस्था के अनुसार, भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान गुंडिचा मंदिर के दर्शन करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं कई पौराणिक और स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक जो भी भक्त पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ भगवान के रथ के दर्शन करता है या फिर रस्सी खींचता है। वह व्यक्ति पुनर्जन्म के बंधन से मुक्त हो जाता है।

जानें रथ यात्रा का महत्व

पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा को देश के सबसे विशाल और धार्मिक आयोजनों में से एक माना जाता है। इस दौरान दुनियाभर से लाखों भक्त भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होते हैं। वहीं भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ, भाई बलभद्र का तालध्वज और सुभद्र का दर्पदलन रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। जगन्नाथ रथ यात्रा इस बात का भी संदेश देती है कि भगवान सिर्फ मंदिरों तक ही सीमित नहीं हैं। बल्कि वह खुद भक्तों के बीच आकर उनको दर्शन देते हैं। यही कारण है कि गुंडिचा मंदिर और जगन्नाथ रथ यात्रा दोनों को ही भक्ति और आध्यात्म का प्रतीक माना जाता है।

टिप्स

सेहत का पावरहाउस है जामुन

समर सीजन में ज्यादातर महिलाएं अपनी हेल्थ का बहुत ध्यान रखती हैं। वैसे गर्मियों के कुछ ठंडा-ठंडा खाने को मिल जाए, तो मजा ही आता है। इस मौसम में आप कुछ न कुछ ठंडा पीने के लिए डिश जरुर बनाती होगी। इस बार घर पर जामुन का इस्तेमाल करके ये दो टेस्टी और हेल्दी डिश बना सकती हैं। इस लेख में हम आपको दो ऐसी रेसिपी बताने जा रहे हैं, जो गर्मी में सेहत और टेस्ट दोनों के लिए सबसे बेहतरीन है।

जामुन से बनाएं ये 2 चीजें : यदि आप गर्मियों में हेल्दी और टेस्टी खानपान को शामिल करती हैं, तो आप घर पर ही जामुन का यूज करके दो चीजों को तैयार कर सकती हैं। इन दोनों चीजों को आपके बच्चे भी खाना पसंद करेंगे। हर कोई इसकी डिमांड करेगा। तो चलिए बिना देर किए जामुन से बनी स्मूथी और आइसक्रीम की रेसिपी बताते हैं।

जामुन की स्मूथी बनाने के लिए क्या चाहिए?

- जामुन का पेस्ट
- गाढ़ी ठंडी दही या लस्सी
- ड्राई फ्रूट्स
- इलायची पाउडर
- खजूर

स्मूथी बनाने का तरीका

- स्मूथी बनाने के लिए सबसे पहले जामुन का गूदा निकाल लें।
- अब इसमें ठंडी गाढ़ी दही या लस्सी, इलायची पाउडर और शहद डालें।
- आप चाहे तो इस स्मूथी में थोड़ी रबड़ी डालकर भी मिक्स कर सकती हैं।
- इसके बाद सभी सामग्री को तब तक फेंटें, जब तक स्मूथी एकदम मखमली न हो जाए।
- आपकी टेस्टी स्मूथी बनकर तैयार हो चुकी है।
- इसको आप कांच के गिलास में निकालकर इसके ऊपर से बारीक कटे ड्राई फ्रूट्स डाल दें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता इन्यूमरेशन प्रकिया शुरू

साहिबगंज/बरहरवा : निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण प्रकिया राज्य भर में शुरू हो चुकी है, प्रत्येक जिले से सभी प्रखंड व नगर पंचायतों में नियमानुसार एसआईआर प्रकिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है जिसके आलोक में शुक्रवार को बरहरवा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 1 में विशेष कैंप लगाकर ग्रामीणों का इन्यूमरेशन फॉर्म भरवाया गया और मतदाता सूची को शुद्ध त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से लोगों को आवश्यक जानकारी दी गई।इस अभियान में काँग्रेस के जिला सोशल मीडिया चेयरमैन नेहाल अख्तर,वार्ड संख्या 1 के वार्ड पार्षद के पति बमबम महतो एवं बीएलए 2 प्रीतम कुमार दास ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए पात्र मतदाताओं से समय पर अपना इन्यूमरेशन फॉर्म भरने एवं मतदाता सूची में सही जानकारी सुनिश्चित करने की अपील की।हलाँकि यह प्रकिया सभी वार्डों एवं प्रखंड के पंचायत स्तर पर तेजी से शुरू हो चुकी है,लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना आवश्यक है।जिसकी पात्रता को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न दस्तावेजों को प्रेषित करने और पूर्ण जानकारी सही सही देने होंगे।जिसकी जानकारी लिखित और मौखित रूप से प्रशिक्षित बीएलओ द्वारा मतदाताओं को दी जायेगीं।ताकि कोई भी अवैध नागरिक मतदाता सूची में न जुटे और मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जा सके।भारत के प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान करने का पूर्ण अधिकार है। एसआईआर का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध रूप से मतदान करने और भारत के नागरिकों के हक और अधिकार को छीनने वालो की पहचान करना है ताकि सरकार द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

सेवानिवृत्त जिला शिक्षा पदाधिकारी के स्वस्थ सुखद जीवन की कामना करते : डॉ दुर्गानंद झा

साहिबगंज : पुलिस लाइन स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में शिक्षको और सहायक अध्यापक संगठन साहिबगंज की ओर से सम्मान व विदाई समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में सेवानिवृत्त जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ दुगानंद झा को भावभीनी विदाई दी गई।वहीं नवपदस्थापित जिला शिक्षा अधीक्षक ऊर्मिला हांसदा का अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।साथ ही पूर्व जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष को भी सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।समारोह को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त शिक्षक भिखारी साह जंग बहादुर ओझा और विधुनाथ आचार्य ने शिक्षा के क्षेत्र में अधिकारियों के योगदान की सराहना की।वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए उनके कार्यकाल में कई सकारात्मक पहल की गईं।उन्होंने सेवानिवृत्त जिला शिक्षा पदाधिकारी के स्वस्थ व सुखद जीवन की कामना करते हुए नवपदस्थापित जिला शिक्षा अधीक्षक ऊर्मिला हांसदा के सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम का संचालन डॉ।रानी झा ने किया।इस अवसर पर विकास चौधरी,अशोक साह,जितेंद्र कुमार हरि, विभीषण पासवान,चंदन सिंह,जितेंद्र दूबे,मनीष कुमार,मनोहर शर्मा,सुबोध कुमार झा,अनमोल झा,संजय तिवारी,रमेश कुमार झा,प्रदीप कुमार ओझा,सहित जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय के कर्मचारी,जिला शिक्षा परियोजना कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी तथा बड़ी संख्या में शिक्षक एवं सेवानिवृत्त शिक्षक उपस्थित रहे।अंत में सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पाकुड़ में चोर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार, पुलिस ने पश्चिम बंगाल में दी थी दबिश

पाकुड़ : पुलिस ने घरों में चोरी करने वाले गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी का सामान और उपयोग में लाये गये वाहन एवं उपक्रम को बरामद किया है। चोरों की गिरफ्तारी एवं चोरी के सामान की बरामदगी की जानकारी एसपी अनुदीप सिंह ने पत्रकार सम्मेलन में दी।

एसपी अनुदीप सिंह ने बताया शहरी क्षेत्र में घट रही चोरी की घटना को लेकर नगर थाना कांड संख्या 139, 155, 159 व 160/26 का अनुसंधान एवं उद्भेदन के लिए एसआईटी का गठन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में किया गया। गठित टीम में शामिल पुलिस अधिकारियों ने छानबीन शुरू की और इस क्रम में अपराधियों का सुराग मिला।

पुलिस पदाधिकारियों की टीम ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के कालियाचक थाना क्षेत्र के सूजापुर, बड़ानगर एवं हासग्राम में छापेमारी की और जयदुल शेख, शरीफ शेख, ईशा शेख एवं रोयस मिर्जा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए अपराधियों ने घटना में अपनी संलिप्तता कबूल की।

पकड़े गए अपराधियों ने चोरी का सामान छुपाए जाने की भी जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस ने सोने के गले टुकड़े, लेपटॉप, कांसा के बर्तन के अलावा चोरी की घटना को अंजाम देने के क्रम में उपयोग की गई बाइक, पेचकश, लोहे की रॉड, सलाई रिंच और नगद राशि बरामद की। एसपी ने बताया कि पश्चिम बंगाल के चोर गिरोह के सदस्य पहले बाइक पर घूम-घूम कर बंद घरों को चिन्हित करते थे और उसके बाद चोरी की घटना को अंजाम देते थे।

छापेमारी दल में एसडीपीओ के अलावा पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक सुकदेव साहा, सन्नी सुप्रभात, अभिषेक कुमार, मिथुन रजक, अरविंद कुमार राय, विकर्ण कुमार, दिनेश प्रसाद सिंह दलबल शामिल थे।

बासुकीनाथ में श्रावणी मेला की तैयारियों का उपायुक्त ने लिया जायजा, कहा

श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा और सुरक्षा मुहैया कराना प्राथमिकता

संवाददाता

दुमका : राजकीय श्रावणी मेला बासुकीनाथ धाम-2026 के सफल, सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर दुमका के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ धाम पहुंचकर मेला की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया कराना प्राथमिकताः डीसी

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने रूट लाइन, संस्कार मंडप, शिवगंगा, तारा मंदिर, बेदीया, दर्शनिया टीकर, नंदी चौक, नागनाथ चौक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का जायजा लिया। उन्होंने मेला से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि श्रावणी मेला के दौरान बासुकीनाथ धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। ऐसे में श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा, सुरक्षा और सुगम जलार्पण कराना जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मेला के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की ली जानकारी

उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि श्रावणी मेला के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर लें। उन्होंने

कहा कि मेला क्षेत्र के सभी प्रमुख और संवेदनशील स्थलों पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध रहनी चाहिए। साथ ही बाइक एम्बुलेंस सहित अन्य आवश्यक चिकित्सा एवं आपातकालीन सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मेला क्षेत्र में एलईडी स्क्रीन लगाने का निर्देश

श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारी सहज और पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उपायुक्त ने मेला क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर एलईडी स्क्रीन लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से श्रद्धालुओं को टेंट सिटी, स्वास्थ्य शिविर, रूट लाइन, सहायता केंद्र तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

खोया-पाया केंद्र में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति का निर्देश

इसके अलावा उपायुक्त ने खोया-पाया केंद्र की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की तैयारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के बिछड़ने की स्थिति में उन्हें त्वरित और सुगम तरीके से मिलाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रतिनियुक्त कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि मेला से संबंधित सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर लें, ताकि अंतिम समय में किसी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो और श्रद्धालुओं को सुचारु व्यवस्था का लाभ मिल सके

मेला क्षेत्र में साफ-सफाई की व्यवस्था हो बेहतर

उपायुक्त ने मेला क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था का विशेष रूप से निरीक्षण करते हुए निर्देश दिया कि संपूर्ण मेला अवधि के दौरान स्वच्छता व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित सफाई, कचरा निष्पादन और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं सुगम वातावरण उपलब्ध हो सके। साथ ही उन्होंने टेंट निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश भी दिया।

मेला क्षेत्र और रूट लाइन में विद्युत व्यवस्था करें दुरुस्त

इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेला क्षेत्र और रूट लाइन में लगे सभी विद्युत तारों एवं उपकरणों की जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए सभी विद्युत व्यवस्था पूर्णतः सुरक्षित एवं दुरुस्त रहनी चाहिए। इस दौरान सहायक समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, सिविल सर्जन सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

अंडर 17 बालक वर्ग में बरहरवा बना विजेता वहीं बोरियो बना उपविजेता

सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमें रहीं

संवाददाता

साहिबगंज : जिला शिक्षा परियोजना साहिबगंज द्वारा जिला स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के अंडर 17 बालक वर्ग का आयोजन सिदो कान्हु स्टेडियम साहिबगंज में दूसरे दिन किया गया जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों की टीमों ने भाग लिया एवं शानदार खेल भावना का परिचय दिया।नाक आउट प्रतियोगिता के प्रथम चरण में पतना टीम को विजयी घोषित किया गया।दूसरे मुकाबलों में उधवा एवं बोरियो के बीच हुए मैच में बोरियो ने 1-0 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। तीसरे मैच बरहेट एवं तालझारी के बीच हुए मुकाबले में बरहेट विजयी रही।चौथे मैच बरहरवा एवं मंडरो में बरहरवा ने जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमें रहीं । जिसमें बोरियो पतना बरहेट और बरहरवा पहला सेमीफाइनल पतना एवं बोरियो के बीच खेला गया। जिसमें बोरियो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई।दूसरा सेमीफाइनल बरहेट एवं बरहरवा के बीच हुआ।जिसमें बरहरवा ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

फाइनल मुकाबला बोरियो एवं बरहरवा के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में बरहरवा टीम विजेता बनी, जबकि बोरियो टीम उपविजेता बनी।वहीं पतना की टीम तीसरे स्थान पर रही।इस मौके पर जिला खेल प्रभारी सबनम तबस्सुम खेल शिक्षक बीरेंद्र कुमार,आदित्य कुमार,लूसी कुमारी, राकेश कुमार संजय सिंहा, चंद्रकांत गौतम,दीपक सिंह, धणीकांत, पाउलुष सोरेन,बाबूराम सरकार, खुर्शीद आलम दिवाकर दुबे, सुजीत मल्लिक, सुनील किस्कू, मेरी अन्ना, मीरु सोरेन,बमबम कुमार, मुख्य रेफरी अनिल टुडू, एथलेटिक्स कोच योगेश यादव समेत अन्य आदि मौजूद रहे। 4 जुलाई को बालक अंडर 15 वर्ष के मैच खेले जाएंगे।

लोगों को कीचड़ और पानी जमा की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा : अर्पिता

नगर पंचायत के वार्ड संख्या तीन में पीसीसी सड़क सह आरसीसी नाला निर्माण का हुआ शिलान्यास

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : नगर पंचायत अन्तर्गत वार्ड 03 के ओम प्रकाश गुप्ता के घर से मीना गुप्ता के घर तक गली तक प्राक्कलित राशि 999100 -00 की लागत से पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला निर्माण कार्य योजना की शिलान्यास बरहरवा नगर अध्यक्ष अर्पिता दास व उपाध्यक्ष राजकुमार भगत द्वारा किया गया।ज्ञात हो कि इस वार्ड में यह सड़क निर्माण पहली बार बनेगी और यहां के स्थानीय लोगों को बारिश में कीचड़ और पानी जमा होने जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।इस दौरान वार्ड पार्षद अमित भारती ने बताया कि सड़क व नाला नहीं होने के कारण यहाँ के लोगों को बहुत समस्याओं का सामना करना पड़ता था,रास्ता सकरा होने के साथ साथ सड़क का अभाव लोगों की दिनचर्या काफी प्रभावित हो रही थी,निर्माण कार्य शुरू होने की खबर से लोग काफी उत्साहित भी है।मौके पर वार्ड पार्षद अमित कुमार भारती,पूर्व नगर अध्यक्ष श्यामल दास, दिलीप डोकानिया, रिंकू डोकानिया, कमलजीत शर्मा,अजय गुप्ता,मुजम्मिल शेख, रवि रक्षित,संतोष झा सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

परिवहन कार्यालय साहिबगंज की बड़ी पहल एक सौ से अधिक आवेदन प्राप्त

संवाददाता

साहिबगंज : तालझारी प्रखंड परिसर में आयोजित दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय ड्राइविंग लाइसेंस कैंप और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का सफलता पूर्वक समापन हो गया। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के वाहन चालकों को उनके घर के नजदीक ही लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना था। मोटरयान निरीक्षक श्री कुमार उत्कर्ष एवं अभिषेक मुंडा ने कहा कि दो दिनों तक चले इस विशेष कैंप में स्थानीय युवाओं और वाहन चालकों में भारी उत्साह देखा गया। कैंप के दौरान नियमों के सरलीकरण और त्वरित प्रक्रिया के कारण कुल 100 से अधिक चालकों ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए अपने आवेदन जमा किए।लाइसेंस कैंप के साथ-

साथ परिसर में प्रखंड अंचलाधिकारी राम सुमन प्रसाद के द्वारा वृहद सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान भी चलाया गया। इस दौरान उपस्थित सड़क सुरक्षा योद्धा प्रजापति प्रकाश बाबा और सड़क सुरक्षा योद्धा ने लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, ओवरस्पीडिंग न करने और नशे में वाहन न चलाने की शपथ दिलाई। इस दो दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों की संख्या में स्थानीय वाहन चालक उपस्थित थे ।जिन्हें यातायात नियमों की मार्गदर्शिका और पंपलेट भी बांटे गए। अंचलाधिकारी ने परिवहन विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कैंपों से न केवल बिना लाइसेंस गाड़ी चलाने वालों पर रोक लगेगी, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा रख-रखाव में लापरवाही स्वीकार्य नहीं : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था रखरखाव व प्रबंधन का गहन जायजा लिया।उपायुक्त ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में

स्थापित अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता व कार्यशीलता सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था सुरक्षा मानकों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान करने सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया के लिए ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की सुरक्षित अभिरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए निर्धारित सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है।इस अवसर पर अपर समाहर्ता विजय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन, 50 से ज्यादा युवाओं को मिला ऑफर लेटर

संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा हजारीबाग में दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला सह कौशल विकास मेला का आयोजन किया गया। जहां बेरोजगार अभ्यार्थियों को ऑफर लेटर दिया गया। इस मेला में 13 कंपनियां रोजगार देने के लिए पहुंची थीं। लगभग 50 बेरोजगार युवकों को इस मेल में रोजगार से जोड़ा गया।

रोजगार मिलने के बाद अभ्यर्थियों ने बताया कि अब वह अपने पैरों पर खड़े के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दिनों ट्रेनिंग करने के बाद ऑफर लेटर मिला है। कुछ दिनों में जहां रोजगार मिला है वहां जाएंगे। रोजगार मिलने पर बेहद खुशी हो

रही है। रोजगार मेला में पहुंचे जिला नियोजन पदाधिकारी देव कुमार प्रसाद ने कहा कि सरकार द्वारा रोजगार मेला का आयोजन करवाने से बेरोजगार युवाओं को रोजगार का अवसर मिल रहा है। 13 कंपनियों ने अपने अलग-अलग स्टॉल लगाए थे। जहां युवकों ने आवेदन दिया है। वहीं 50 से अधिक लोगों को ऑन स्पॉट रोजगार से जोड़ा गया। झारखंड सरकार इस तरह का आयोजन हमेशा करती है। जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को रोजगार से जोड़ना है। झारखंड सरकार के श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला सह कौशल विकास मेला का आयोजन राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों से जोड़कर रोजगार के अवसर प्रदान करना है।

फीफा विश्व कप 2026 : पेनल्टी शूटआउट में ऑस्ट्रेलिया को हराकर मिस्र पहली बार अंतिम-16 में

एजेंसी

आर्लिंगटन (टेक्सास) : फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में शुक्रवार को मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता और अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र की जीत के नायक होसाम अब्देलमगीद रहे, जिन्होंने निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को यादगार जीत दिलाई। अब अंतिम-16 में

मिस्र का सामना मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा।

सलाह की कप्तानी में ऐतिहासिक जीत

मिस्र के कप्तान मोहम्मद सलाह ने मैच के बाद कहा कि यह उनके जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक है। उन्होंने कहा कि टीम की खुशी से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता और इस जीत का आनंद हर मिस्रवासी के साथ साझा करना उनके लिए गर्व की बात है।

मैच का रोमांच

मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बनाई, जब इमाम अशूर ने हेडर के जरिए गोल दागा। ऑस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी कर ली, लेकिन यह गोल मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी के आत्मघाती गोल की बदौलत आया। हानी इस विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके बाद दोनों टीमें अतिरिक्त समय में भी विजयी गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक पहुंच गया।

शूटआउट में मिस्र का दबदबा

ऑस्ट्रेलिया की ओर से हैरी साउटर पहली ही पेनल्टी चूक गए, जबकि 18 वर्षीय लुकास हेरिंगटन की चौथी पेनल्टी क्रॉसबार से टकरा गई। मिस्र की ओर से महमूद साबेर, रामी राबिया, मोहम्मद सलाह और अंत में होसाम अब्देलमगीद ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए केवल जैक्सन इरविन और अवेयर माबिल ही सफल पेनल्टी लगा सके।

ऑस्ट्रेलिया का नॉकआउट में खराब रिकॉर्ड जारी

यह ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप नॉकआउट चरण में लगातार तीसरी हार रही। इससे पहले वह 2006 में इटली और 2022 में अर्जेंटीना से हार चुका था। वहीं, चार विश्व कप खेलने वाले मिस्र ने पहली बार नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया।

मैं जो भी बनाता हूं तो लोग बोलते हैं कि

ये 'शोले' नहीं है तो मैं क्या करूं?

रमेश सिप्पी ने इंटरव्यू में बताया कि वह डायरेक्शन से दूर क्यों हैं। उन्होंने हेमा मालिनी संग काम करने का एक्सपीरियंस भी शेयर किया और बताया कि कौन सी खूबी ड्रीम गर्ल को बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाती है। हेमा मालिनी के 60 साल लंबे करियर का जश्न मनाने के लिए 'द ड्रीम गर्ल्स डायमंड जुबली कॉन्सर्ट मनाया जाएगा।

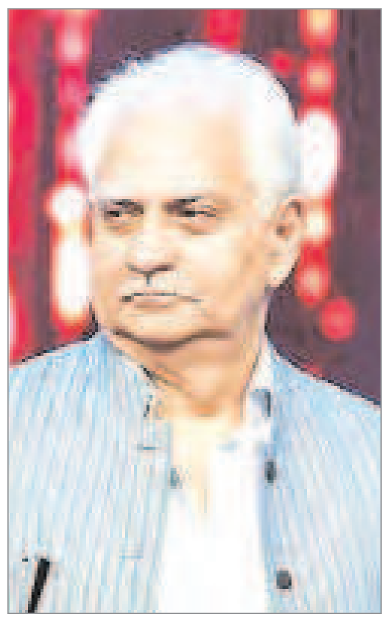

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी और दिग्गज फिल्मकार रमेश सिप्पी की जोड़ी ने सिनेमा जगत को 'शोले' और 'सीता और गीता' जैसी कालजयी फिल्में दी हैं। रमेश सिप्पी निर्देशित पहली फिल्म 'अंदाज' (1971) से लेकर 2020 में आई आखिरी फिल्म 'शिमला मिर्ची' तक की नायिका हेमा मालिनी ही थीं। ऐसे में, हाल ही में हेमा मालिनी के 60 साल लंबे करियर का जश्न मनाने के लिए हो रहे ' द ड्रीम गर्ल्स डायमंड जुबली कॉन्सर्ट ' की घोषणा करने आए रमेश सिप्पी ने 'नवभारत टाइम्स' से 'शोले', हेमा मालिनी संग अपनी लंबी साझेदारी, धर्मेंद्र और आज के बॉलीवुड से जुड़े कई विषयों पर रोचक बातचीत की।

हेमा मालिनी की कौन सी खूबी उन्हें बाकी ऐक्ट्रेसेस से अलग बनाती है? इस पर रमेश सिप्पी बताते हैं, 'हेमा जी बहुत क्विक रही हैं। किरदार को वह बहुत जल्दी पकड़ लेती हैं और फिर स्क्रीन पर आसानी से उतार देती हैं। जैसे बसंती का ही रोल था, उसे हेमा जी ने मुझसे भी जल्दी समझ लिया, फिर जैसा उन्होंने बंसती को निभाया, वो आइकॉनिक बन गया। जबकि, मुझे तो शुरू में यह रोल उन्हें ऑफर करने में ही हिचक रहा था।' इस हिचक की वजह पूछने पर उन्होंने बताया, 'दरअसल, हेमा जी हमारे साथ 'सीता और गीता' जैसी सुपरहिट फिल्म कर चुकी थीं, जिसकी वह खुद हीरो थीं, वो भी डबल रोल में। उसके मुकाबले बंसती का रोल काफी छोटा था, तो मुझे डर था कि वह पता नहीं करेंगी या नहीं।'

हेमा जी बहुत क्विक रही हैं। किरदार को वह बहुत जल्दी पकड़ लेती हैं और फिर स्क्रीन पर आसानी से उतार देती हैं। जैसे बसंती का ही रोल था, उसे हेमा जी ने मुझसे भी जल्दी समझ लिया, फिर जैसा उन्होंने बंसती को निभाया, वो आइकॉनिक बन गया। जबकि, मुझे तो शुरू में यह रोल उन्हें ऑफर करने में ही हिचक रहा था।

मुमताज होतीं 'सीता और गीता' !

रमेश सिप्पी को अपनी पहली से आखिरी फिल्म की हीरोइन हेमा मालिनी में ही क्यों दिखीं? क्यों उन्हें अपनी सीता-गीता, बसंती सभी के लिए हेमा ही परफेक्ट लगीं? इस पर उन्होंने बताया, 'एक तो उनका काम हमेशा ही बहुत बढ़िया रहा है, दूसरे किस्मत का भी हाथ रहा है। जैसे, 'सीता और गीता' के लिए हमने मुमताज जी से बात की थी, मगर उनकी तारीखें उपलब्ध नहीं थीं। हेमा जी की डेट्स हमें मिल गईं। उस फिल्म के लिए हमें ज्यादा डेट्स चाहिए थी क्योंकि अच्छा काम करने के लिए वक्त चाहिए। मुझसे हड़बड़ी में अच्छा काम नहीं होता। इसी तरह, 'अंदाज' में एक विधवा का रोल था, जिसमें देखा जाए तो नूतन या ऐसी कोई मैच्योर एक्ट्रेस ज्यादा मुफीद होती। हेमा जी काफी यंग थीं, लेकिन वही फिल्म के पक्ष में गया क्योंकि लोगों की सिंपथी ज्यादा जुड़ी कि अरे, बेचारी इतनी युवा है और उसके साथ इतनी कम उम्र में ऐसा हो गया, तो एक तो उन्होंने काम बहुत अच्छा किया। दूसरे किस्मत और ऊपरवाले की मेहरबानी कहिए कि हमने जो फिल्में साथ में कीं, वे इतनी कमाल की बन गईं। सीता और गीता के लिए हमने मुमताज जी से बात की थी, मगर उनकी तारीखें उपलब्ध नहीं थीं। हेमा जी की डेट्स हमें मिल गईं। उस फिल्म के लिए हमें ज्यादा डेट्स चाहिए थी क्योंकि अच्छा काम करने के लिए वक्त चाहिए। मुझसे हड़बड़ी में अच्छा काम नहीं होता।

तो शुरू में यह रोल उन्हें ऑफर करने में ही हिचक रहा था।

धरम जी हमेशा याद आएंगे

वहीं, अपने वीरू यानी धर्मेंद्र पाजी को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'धरम जी बहुत ही प्यारे आदमी थे। उनमें एक अजीब सा बचपना था, जो आखिर तक बरकरार रहा। वह जब भी मिलते थे, बहुत प्यार से मिलते थे। जोर से गले लगाते थे। इंडस्ट्री के सबसे जेनुइन आदमी थे। हम सब उन्हें हमेशा मिस करेंगे।' जबकि, काफी अर्से से डायरेक्शन से दूरी की वजह पूछने पर वह हंसकर कहते हैं, 'हम जो भी बनाते हैं तो लोग बोलते हैं कि शोले नहीं है तो मैं क्या करूं?' धरम जी बहुत ही प्यारे आदमी थे। उनमें एक अजीब सा बचपना था, जो आखिर तक बरकरार रहा। वह जब भी मिलते थे, बहुत प्यार से मिलते थे। जोर से गले लगाते थे। इंडस्ट्री के सबसे जेनुइन आदमी थे। हम सब उन्हें हमेशा मिस करेंगे।

रमेश सिप्पी की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' को बनने में करीब एक साल लगे थे। 1 करोड़ का बजट 3 करोड़ पहुंच गया था। आज के दौर में सिनेमा पैशन से ज्यादा प्रोजेक्ट के आधार पर बनने लगा है? इस बारे में राय पूछने पर उन्होंने कहा, 'आज भी कुछ फिल्में दिल से बनती हैं। 'धुरंधर' देखिए। कितना वक्त लगा, कितना पैसा खर्च हुआ, कितना काम किया। इतनी बढ़िया फिल्म बिना पैशन से नहीं बन सकती। सात घंटे की, दो पार्ट में बनी फिल्म जो लोगों को खूब पसंद भी आई, तो ऐसी बात नहीं है कि आज नहीं हो रहा। आज भी हो रहा है।'

हेमा जी को म्यूजिकल सलामी

हेमा मालिनी के अभिनय की दुनिया में 60 साल पूरे करने के उपलक्ष्य में फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने असोसिएशन अगले महीने 'द ड्रीम गर्ल्स डायमंड जुबली कॉन्सर्ट' आयोजित करेगा। एफडब्ल्यूआईसीई के प्रेजिडेंट बीएन तिवारी ने बताया कि इस कॉन्सर्ट में कविता कृष्णमूर्ति, अनूप जलोटा, शब्बीर कुमार, विजेयता पंडित, सुरेश वाडकर, सुदेश भोसले, अन्नू मलिक जैसे संगीत जगत के दिग्गज हेमा मालिनी को म्यूजिकल ट्रिब्यूट देंगे।

जोकोविच ने फेडरर के 105 विंबलडन जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की, चौथे दौर में पहुंचे

एजेंसी

लंदन : सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने विंबलडन 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। तीसरे दौर में उन्होंने शुक्रवार को फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेश को 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (7-4) से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। 39 वर्षीय जोकोविच अब फेडरर के पुरुष एकल में आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ गए हैं।

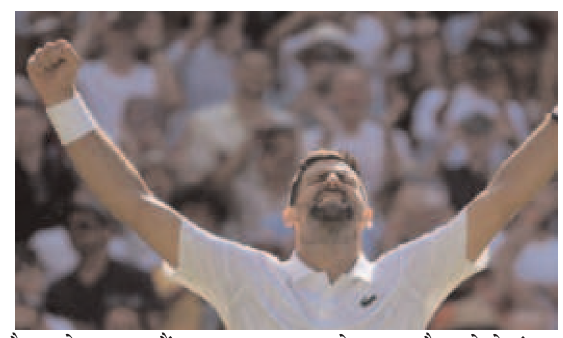

सेंटर कोर्ट पर खेले गए मुकाबले में जोकोविच ने शुरूआती दो सेट शानदार अंदाज में अपने नाम किए, लेकिन तीसरे सेट में रिंदरकनेश ने दमदार वापसी करते हुए उन्हें 6-1 से हराकर मैच को रोमांचक बना दिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अपनी तेज सर्विस और आक्रामक खेल से चौथे सेट में भी जोकोविच को कड़ी चुनौती दी। हालांकि टाईब्रेक में अनुभवी सर्बियाई खिलाड़ी ने बेहतरीन संयम दिखाया और बिना कोई गलती किए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन में 105वीं जीत दर्ज की और रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। अब चौथे दौर में उनका सामना रूस के क्वालीफायर रोमन साफियुलिन से होगा। यदि जोकोविच यह मुकाबला जीतते हैं तो वह विंबलडन में सर्वाधिक मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में फेडरर को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। इस सूची में शीर्ष पर मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 मैच जीते हैं।

फीफा विश्व कप 2026: मेक्सिको-इंग्लैंड प्री-क्वार्टर फाइनल तय समय पर

मेक्सिको सिटी : फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में रविवार को मेक्सिको और इंग्लैंड के बीच होने वाला मुकाबला तय समय पर ही खेला जाएगा। द न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको सिटी में दोपहर बाद गरज-चमक के साथ भारी बारिश और संभावित बाढ़ की आशंका के चलते मैच का समय पहले करने पर विचार किया गया था, लेकिन अंततः फीफा ने निर्धारित समय पर ही मुकाबला कराने का फैसला किया। फीफा मौसम और संभावित जलभराव की स्थिति को देखते हुए मैच का समय बदलने पर विचार कर रहा था। हालांकि, बाद में इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। फीफा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इस मैच के समय में कोई बदलाव दर्ज नहीं है। मेक्सिको के मुख्य कोच जावियर एग्विरे ने संभावित बदलाव का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने मेक्सिको के रेडियो स्टेशन ह्यरेडियो फॉमूर्लाह्न से बातचीत में कहा, ₹यह पेट पर लात मारने जैसा है। हमें अपनी पूरी योजना बदलनी पड़ती। छह घंटे की तैयारी बेकार हो जाती। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। फीफा जो फैसला करेगा, हम उसका सम्मान करेंगे, लेकिन न मैं और न ही मेरे खिलाड़ी इससे खुश हैं।₹ यदि समय बदला जाता तो इसका असर इंग्लैंड की तैयारियों पर भी पड़ता। इंग्लैंड की टीम शुक्रवार देर रात मेक्सिको पहुंचेगी और शनिवार को यूनाम पुमास प्रशिक्षण केंद्र में अभ्यास करेगी। ऐसे में खिलाड़ियों को मेक्सिको सिटी की ऊंचाई के अनुरूप खुद को ढालने के लिए और भी कम समय मिलता। गौरतलब है कि एज्टेका स्टेडियम समुद्र तल से करीब 2,200 मीटर (7,300 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है। खेल विज्ञान विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी ऊंचाई पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को पर्याप्त समय तक अनुकूलन की आवश्यकता होती है।

पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर फिडे की बड़ी कार्रवाई, लगाया दो साल का प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली : विश्व शतरंज महासंघ (फिडे) की एथिक्स एंड डिसिप्लिनरी कमीशन (ईडीसी) ने पूर्व विश्व चैंपियन व्लादिमीर क्रामनिक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए दो वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि, इसमें से अंतिम एक वर्ष का प्रतिबंध तीन वर्ष की परिवीक्षा (प्रोबेशन) अवधि के लिए निलंबित रहेगा। ऐसे में यदि क्रामनिक प्रोबेशन के दौरान किसी नए उल्लंघन के दोषी नहीं पाए जाते हैं, तो उन्हें केवल एक वर्ष का सक्रिय प्रतिबंध झेलना होगा। यह मामला फिडे प्रबंधन बोर्ड और फिडे फेयर प्ले आयोग द्वारा दायर शिकायतों के बाद शुरू हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि क्रामनिक ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर ग्रैंडमास्टर डेविड नवारा, दिवंगत ग्रैंडमास्टर डेनियल नारोडिट्स्की सहित कई खिलाड़ियों पर बिना पर्याप्त आधार के सार्वजनिक रूप से चीटिंग के आरोप लगाए। फिडे की ईडीसी ने सभी पक्षों की दलीलों और साक्ष्यों की समीक्षा के बाद क्रामनिक को फिडे एथिक्स कोड और डिसिप्लिनरी कोड के कई प्रावधानों का उल्लंघन करने का दोषी पाया। आयोग ने माना कि उनके आचरण ने खिलाड़ियों की गरिमा, सम्मानजनक व्यवहार, साइबर बुलिंग, मानसिक उत्पीड़न, आदर्श खिलाड़ी की जिम्मेदारी तथा फेयर प्ले आयोग की जांच में सहयोग न करने जैसे नियमों का उल्लंघन किया। साथ ही उन पर बिना पर्याप्त प्रमाण के सार्वजनिक आरोप लगाने का भी दोष सिद्ध

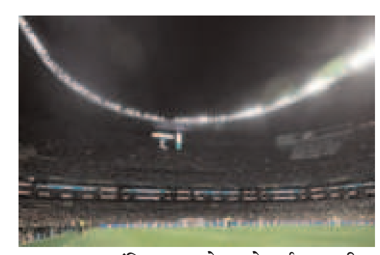

हुआ। हालांकि, आयोग ने ईमानदारी, जवाबदेही और फिडे की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने से जुड़े कुछ अन्य आरोपों को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में खारिज कर दिया। अपने फैसले में ईडीसी ने कहा कि शतरंज में चीटिंग के खिलाफ कार्रवाई फिडे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, लेकिन ऐसे आरोप केवल फिडे की गोपनीय जांच प्रक्रिया और पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर ही लगाए जाने चाहिए। बिना संस्थागत पुष्टि के किसी खिलाड़ी पर सार्वजनिक रूप से संदेह जताना उसकी प्रतिष्ठा और मानसिक स्थिति को नुकसान पहुंचा सकता है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि यह फैसला क्रामनिक की कथित एंटी-चीटिंग पद्धति की वैज्ञानिक वैधता पर नहीं, बल्कि आरोपों को सार्वजनिक रूप से पेश करने के तरीके और उससे शतरंज समुदाय पर पड़े प्रभाव के आधार पर दिया गया है। प्रतिबंध के अलावा ईडीसी ने क्रामनिक को 12 महीने तक बिना पारिश्रमिक के शतरंज समुदाय के हित में सेवा करने का भी निर्देश दिया है। फिडे के नियमों के अनुसार, क्रामनिक इस फैसले के खिलाफ 21 दिनों के भीतर फिडे एथिक्स एंड डिसिप्लिनरी कमीशन की अपील पीठ में अपील कर सकते हैं।

शुभांगी अत्रे ने सोशल मीडिया और रिश्तों पर रखे विचार

शोहरत के बीच भी अकेलापन

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहीं शुभांगी अत्रे ने बातचीत में अकेलेपन और रिश्तों की सच्चाई को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह अकेलापन सिर्फ भीड़ या लोगों की कमी से नहीं होता, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव और बातचीत की कमी से होता है। आईएएनएस से बात करते हुए शुभांगी अत्रे ने कहा, ''मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ ऐसे लोग हैं, जो सच में मुझसे पूछते हैं, 'आप कैसी हैं?' और जवाब का इंतजार भी करते हैं। किसी इंसान के लिए सबसे बड़ा सुकून यही होता है कि कोई उसे बिना टोके, बिना जज किए ध्यान से सुने। कई बार सलाह से ज्यादा राहत सिर्फ सुन लिए जाने से मिलती है।'' उन्होंने आगे कहा, 'अकेलापन अक्सर इस वजह से महसूस होता है क्योंकि लोगों के बीच बातचीत तो होती है, लेकिन वह गहराई नहीं होती, जो दिल को छू सके। आजकल लोग एक-दूसरे से जुड़े तो रहते हैं, लेकिन बातचीत अक्सर सतही रह जाती है। ऐसे में इंसान भीड़ में रहते हुए भी खुद को अकेला महसूस कर सकता है। मेरा मानना है कि एक खुली बातचीत, जिसमें व्यक्ति अपने असली विचार और भावनाएं बिना डर के रख सके, वह कई रिश्तों से ज्यादा कीमती होती है।'' सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ''आज के समय में लोग एक-दूसरे की जिंदगी से तो वाकिफ रहते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं से नहीं। हम यह तो देख लेते हैं कि सामने वाला क्या कर रहा है, कहां घूम रहा है या क्या पोस्ट कर रहा है, लेकिन यह नहीं जान पाते कि वह अंदर से क्या महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया ने लोगों को ज्यादा विजिबल बना दिया है, लेकिन महसूस करने और समझने वाली गहराई कम हो गई है। असली बातचीत अभी भी स्क्रीन से दूर ही होती है।

रजनीकांत की 'जेलर 2', धनुष की 'ओम' के बीच होगी अदला-बदली !

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है तो वहीं एक्टर धनुष की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम' भी रिलीज के लिए तैयार है. अब जानकारी सामने आ रही है कि इन दोनों फिल्मों की रिलीज डेट आपस में चेंज हो जाएगी. 'जेलर 2' 2023 की फिल्म जेलर का सीक्वल है. इसकी निर्देशन नेल्सन दिलीप कुमार कर रहे हैं. रजनीकांत एक बार फिर से अपनी पुरानी भूमिका मुथुवेल पांडियन के रोल में नजर आएंगे. उम्मीद की जा रही है कि ये फिल्म फर्स्ट पार्ट की कहानी को ही आगे बढ़ाएगी. बात करें धनुष की आगामी फिल्म 'ओम' की तो इसे राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित किया गया है और फिल्म में ममूटी भी दिखाई देने वाले हैं. जेलर 2 और ओम दोनों ही फिल्में साल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इनका आपस में टकराव हो सकता है. इसी वजह से रिलीज डेट को चेंज करने पर विचार किया जा रहा है.

क्या हैं रिलीज डेट?

एक रिपोर्ट के मुताबिक 'जेलर 2' दिवाली 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है, जबकि धनुष की फिल्म ओम की रिलीज डेट 16 अक्टूबर 2026 रखी गई है. अब रिपोर्ट में ये कहा जा रहा है कि 'जेलर 2' के निर्माता धनुष की मूवी 'ओम' के साथ रिलीज की डेट्स को बदलने पर विचार कर रहे हैं.

आगे खिसक सकती है 'ओम' की रिलीज !

अगर ये बात सही रहती है तो इसका मतलब है कि नवंबर तक ओम की रिलीज आगे खिसकाई जा सकती है. हालांकि अभी तक कोई भी ऑफिशियल स्टेटमेंट सामने नहीं आया है. बस रिलीज डेट चेंज करने की अटकलें लगाई जा रही हैं.

लिथुआनिया में परमाणु हथियारों पर लगी संवैधानिक रोक हटाने का प्रस्ताव, संसद में संशोधन बिल पेश

एजेंसी

विनियस : यूरोपीय देश लिथुआनिया की संसद (सेइमास) में परमाणु हथियारों की तैनाती पर लगी संवैधानिक रोक हटाने के लिए संविधान संशोधन का प्रस्ताव पेश किया गया है। इस प्रस्ताव को संसद के 141 में से 51 सांसदों का समर्थन प्राप्त है, जिससे इसे औपचारिक रूप से संसद में दर्ज कराया गया है। प्रस्ताव के तहत संविधान के अनुच्छेद 137 को समाप्त करने की मांग की गई है। इस अनुच्छेद के अनुसार, लिथुआनिया में बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियारों और विदेशी सैन्य ठिकानों की तैनाती पर प्रतिबंध है। यह पहल राष्ट्रपति गितानास नौसेदा के उस बयान के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने इस संवैधानिक प्रावधान को ₹पुराना₹ बताते हुए कहा था कि बदलते सुरक्षा हालात में देश को भविष्य के विकल्प खुले रखने चाहिए। संसदीय दलों के नेताओं के साथ बैठक के बाद नौसेदा ने कहा कि

अधिकांश राजनीतिक दल अनुच्छेद 137 को पूरी तरह हटाने के पक्ष में हैं। राष्ट्रपति का कहना है कि क्षेत्रीय सुरक्षा वातावरण लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है और लिथुआनिया को नाटो के भीतर किसी ₹कमजोर कड़ी₹ या ₹ग्रे जोन₹ के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने फिनलैंड का उदाहरण देते हुए कहा कि नाटो में शामिल होने के बाद वहां भी परमाणु हथियारों से जुड़े प्रतिबंधों में बदलाव किया गया है।

हालांकि, रूस ने लिथुआनिया और अन्य बाल्टिक देशों द्वारा जताई जा रही सुरक्षा चिंताओं को खारिज किया है। मॉस्को का कहना है कि नाटो देशों पर हमला करने का उसका कोई इरादा नहीं है और रूस के कथित खतरे का हवाला देकर पूर्वी यूरोप में सैन्य उपस्थिति बढ़ाई जा रही है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अमेरिका नाटो के पूर्वी हिस्से के कुछ देशों में अपने परमाणु हथियारों की संभावित तैनाती पर विचार कर रहा है। रूस की सीमा से लगे कई देशों ने ऐसी तैनाती में रुचि भी दिखाई है।

यूरोप में बढ़ते सैन्यीकरण के बीच नाटो नेतृत्व सदस्य देशों से अपनी रक्षा तैयारियां मजबूत करने की अपील कर रहा है। वहीं रूस ने चेतावनी दी है कि यदि उसकी सीमाओं के निकट नाटो का परमाणु ढांचा स्थापित किया जाता है, तो उसे प्रत्यक्ष सैन्य खतरे के रूप में देखा जाएगा और उसके अनुरूप जवाब दिया जाएगा। साथ ही, रूस ने यह भी कहा है कि वह नाटो के साथ समानता के आधार पर बातचीत के लिए तैयार है।

ग्वालियर: जिले की पांच जरूरतमंद महिलाएं आज बनेंगी शक्ति दीदी

✔ जिले के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर वर्तमान में 118 शक्ति दीदियां कर रही हैं काम

एजेंसी

ग्वालियर : मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में आज शनिवार को पांच और जरूरतमंद महिलाएं शक्ति दीदी बनेंगीं। जिले में वर्तमान में 118 जरूरतमंद महिलाएं फ्यूल डिलेवरी वर्कर के रूप में शक्ति दीदी की भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। दरअसल, जिले में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप कलेक्टर रुचिका चौहान की पहल पर हुए शक्ति दीदी₹ नवाचार के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। इस नवाचार के तहत जरूरतमंद महिलाओं को पेट्रोल पंपों पर फ्यूल डिलेवरी वर्कर की नौकरी दिलाई जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा जानकारी दी गई कि कलेक्टर रुचिका चौहान सहित वरिष्ठ अधिकारी आज विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुँचकर महिलाओं को ह्लशक्ति दीदीह्व के रूप में फ्यूल डिलेवरी वर्कर की जिम्मेदारी दिलाएंगे। कलेक्टर दोपहर 12 बजे कमलाराजा हॉस्पिटल के सामने स्थित जैन मोटर्स कम्पू पर हेमलता, ललिता व प्रियंका को शक्ति दीदी बनायेंगीं। इसी तरह अपर जिला दण्डाधिकारी सीबी प्रसाद गंगा फिलिंग स्टेशन वीरपुर पर आरती बघेल को एवं संयुक्त कलेक्टर जुही गर्ग सिंहपुर रोड मुरार स्थित माँ पेट्रोलियम पर मनीषा को शक्ति दीदी की जिम्मेदारी सौंपेंगीं।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 4,812 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी

जम्मू : कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सालाना श्री अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शनिवार सुबह जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास से रवाना हुआ। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कुल 4812 तीर्थयात्री 259 वाहनों के काफिले में बालटाल और पहलगाम के दो बेस कैंपों के लिए रवाना हुए। 2041 तीर्थयात्री बालटाल रूट से यात्रा कर रहे हैं जबकि 2,771 पहलगाम रूट से जा रहे हैं। इस जत्थे में 3434 पुरुष तीर्थयात्री, 966 महिला तीर्थयात्री, 11 बच्चे, 244 साधु और 157 साध्वियां शामिल हैं। काफिले में 95 बसें, 47 मीडियम मोटर वाहन, 116 लाइट मोटर वाहन और एक दोपहिया वाहन शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि बालटाल जाने वाला काफिला सुबह 3:00 बजे भगवती नगर से रवाना हुआ जबकि पहलगाम जाने वाला काफिला बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 3:24 बजे रवाना हुआ। इस बीच शनिवार को तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था बालटाल और पहलगाम में नुनवान स्थित बेस कैंपों से दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचे पवित्र गुफा मंदिर की यात्रा शुरू करने के लिए निकला जहां प्राकृतिक रूप से बना बर्फ का शिवलिंग मौजूद है। दूसरे जत्थे में शामिल तीर्थयात्री करण सिंह ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों ने श्रद्धालुओं का आत्मविश्वास बढ़ाया है। करण ने यात्रा के सफल होने की उम्मीद जताते हुए कहा, हम इतनी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने के लिए प्रशासन के आभारी हैं। इससे हमें दर्शन के लिए अपनी यात्रा जारी रखने का हौसला मिल रहा है।₹ इस नए जत्थे के रवाना होने के साथ ही 2 जुलाई को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद से जम्मू से कुल 13,499 यात्री यात्रा के लिए रवाना हो चुके हैं।

मध्य प्रदेश के 19 जिलों में आज भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी, बड़वानी-खंडवा में रेड अलर्ट

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। मौसम विभाग ने शनिवार को इंदौर, उज्जैन सहित 19 जिलों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बड़वानी और खंडवा जिले सबसे अधिक प्रभावित रह सकते हैं, जहां रेड अलर्ट घोषित किया गया है। इन इलाकों में अगले 24 घंटों के दौरान करीब 8 इंच तक बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार रतलाम, उज्जैन, झाबुआ, धार, आलीराजपुर, खरगोन, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा और बालाघाट में अति भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं इंदौर, देवास, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर और पांढुर्णा जिलों में भारी वर्षा होने का अनुमान है। इसके अलावा नीमच, मंदसौर,

आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, विदिशा, भोपाल, रायसेन, सागर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, जबलपुर, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में तेज बारिश के साथ आंधी चलने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का दौर बना रहेगा।

बीते 24 घंटे में कई जिलों में झमाझम बारिश

मानसून की सक्रियता के चलते पिछले 24 घंटों में प्रदेश के 25 से अधिक जिलों में तेज बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक इंदौर में सबसे अधिक करीब सवा दो इंच वर्षा हुई। मंडला में पौने दो इंच, भोपाल में डेढ़ इंच, बालाघाट में सवा इंच तथा बैतूल, नर्मदापुरम, दतिया, रतलाम और शिवपुरी में लगभग पौन इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। दमोह, धार और पचमढ़ी में करीब आधा इंच वर्षा हुई।

इसके अलावा छिंदवाड़ा, जबलपुर, खजुराहो, नरसिंहपुर, नौगांव, सागर, सतना, सिवनी, टीकमगढ़, उमरिया, गुना, ग्वालियर और रायसेन में भी बारिश दर्ज की गई। लगातार वर्षा के कारण दिन के तापमान में भी गिरावट आई है। भोपाल में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

तापमान में आई गिरावट

शुक्रवार को इंदौर का अधिकतम तापमान 30 डिग्री, ग्वालियर का 33.6 डिग्री, उज्जैन का 32 डिग्री और जबलपुर का 28.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मलाजखंड प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

गोल्डी हत्याकांड के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग, 5 जुलाई को विहिप निकालेगा कैंडल मार्च

एजेंसी

प्रयागराज : विश्व हिंदू परिषद (विहिप) 5 जुलाई कैंडल मार्च निकालेगा। ये मार्च गोल्डी हत्याकांड के आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी, उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की मांग को लेकर होगी। कैंडल मार्च 5 जुलाई की शाम 6:30 बजे सरस्वती शिशु मंदिर, जारी बाजार से कृषक इंटर कॉलेज, गढ़ैया तक कैंडल मार्च निकाला जाएगा। यह जानकारी शनिवार को विश्व हिंदू परिषद, गोरक्षा काशी प्रांत के प्रांत मंत्री लाल मणि तिवारी ने दी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से बड़ी संख्या में इसमें शामिल होने की अपील की है। विश्व हिंदू परिषद की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कैंडल मार्च की तैयारियों को लेकर शंकरगढ़, बारा, लालापुर, नारीबारी, गौहनिया, मिश्राबांध, जारी बाजार और कौंधियारा सहित विभिन्न क्षेत्रों में बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और

कार्यकताओं ने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर चर्चा की। श्री तिवारी ने कहा कि संगठन की मांग है कि मामले में सभी आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी स्तर पर पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी निष्पक्ष विभागीय जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि कैंडल मार्च का उद्देश्य मृतका गोल्डी को श्रद्धांजलि अर्पित करना तथा न्याय की मांग को शांतिपूर्ण तरीके से उठाना है। संगठन का कहना है कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसे मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता है। इस अभियान की तैयारियों में विश्व हिंदू परिषद के गोरक्षा प्रांत उपाध्यक्ष वीरेंद्र जायसवाल, देवव्रत द्विवेदी, राम कैलाश पांडे, संदीप केसरवानी, गजेंद्र पांडे, मुन्ना बरेटिया, विपिन मिश्रा, शिवाकांत सहित विभिन्न क्षेत्रों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जुटे हुए हैं।संगठन ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कैंडल मार्च में शामिल होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराने की अपील की है।

म्यांमार की सीमा पर युद्ध जैसे हालात, बांग्लादेश में शर ाार्थी संकट की आशंका

एजेंसी

ढाका : म्यांमार के रखाइन राज्य में तेज होती सैन्य झड़पों के बीच बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर तनाव बढ़ गया है। सीमा से लगे टेकनाफ और आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को आशंका है कि हिंसा के कारण रोहिंग्या शरणार्थियों की एक नई लहर बांग्लादेश की ओर रुख कर सकती है। स्थानीय निवासियों और रखाइन में रहने वाले अपने रिश्तेदारों के संपर्क में रहने वाले रोहिंग्या शरणार्थियों के अनुसार, पिछले दो दिनों से सीमा पार लगातार भारी गोलीबारी और विस्फोटों की आवाजें सुनाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि म्यांमार की सेना ने मौंगडाव, बुथिडांग और अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले अन्य क्षेत्रों में अपने सैन्य अभियान तेज कर दिए हैं। सीमावर्ती क्षेत्र शाह पोरिर द्वीप के निवासी शाह आलम ने बताया कि विस्फोट इतने शक्तिशाली थे कि घर भूकंप जैसी तीव्रता से हिलने लगे। हालांकि, बांग्लादेशी

अधिकारियों ने उन खबरों की पुष्टि नहीं की है जिनमें दावा किया गया है कि बड़ी संख्या में रोहिंग्या नाफ नदी के किनारे बांग्लादेश में प्रवेश का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पर हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कॉक्स बाजार के बालूखाली शरणार्थी शिविर के एक रोहिंग्या सामुदायिक २नेता ने बताया कि मौंगडाव में स्थिति बेहद गंभीर है और कई परिवार सुरक्षित स्थानों की तलाश में हैं। बांग्लादेश में पहले से ही 10 लाख से अधिक रोहिंग्या शरणार्थी रह रहे हैं, जो म्यांमार में वर्षों से जारी हिंसा, विशेषकर 2017 के बड़े पलायन के दौरान, अपने घर छोड़कर आए थे। ऐसे में रखाइन में फिर से बढ़ती हिंसा ने सीमा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। टेकनाफ उपज़िला प्रशासन ने कहा है कि अब तक किसी नई घुसपैठ की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (इ्रङ्घ) ने नाफ नदी और अन्य संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी है। इस बीच, म्यांमार की सीमा पर बढ़ते संघर्ष का असर थाईलैंड पर भी पड़ा है। म्यांमार की सेना और करेन नेशनल लिबरेशन आर्मी के बीच संघर्ष के दौरान सीमा पार से हुई गोलीबारी में थाईलैंड के टाक प्रांत में कुछ घर क्षतिग्रस्त होने के बाद थाई प्रशासन ने सभी सीमा पार मार्ग अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिए हैं और अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं।

यूजरनेम फीचर पर सरकार ने टेलीग्राम और सिग्नल से मांगा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम और सिग्नल के यूजरनेम फीचर को लेकर धोखाधड़ी और फर्जी पहचान की आशंकाओं पर चिंता जताई है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने दोनों कंपनियों को नोटिस जारी कर इस फीचर से जुड़े सुरक्षा उपायों और इसकी आवश्यकता पर स्पष्टीकरण मांगा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंत्रालय ने टेलीग्राम से पूछा है कि उसका यूजरनेम फीचर जारी रखने की आवश्यकता क्या है और इससे जुड़े संभावित साइबर जोखिमों को रोकने के लिए कंपनी ने क्या इंतजाम किए हैं। इसी तरह सिग्नल से भी इस संबंध में विस्तृत

आईफोन 18प्रो डेटा लीक की भी जांच

जानकारी मांगी गई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब केंद्र सरकार ने हाल ही में मेटा से भारत में व्हाट्सएप के नए यूजरनेम फीचर को फिलहाल लॉन्च नहीं करने को कहा है। सरकार ने कंपनी से तीन दिनों के भीतर इस फीचर से जुड़ी विस्तृत जानकारी देने और चर्चा पूरी होने तक इसे लागू नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

व्हाट्सएप ने अपने जवाब में कहा है कि यूजरनेम फीचर में पहले से ही ऐसे सुरक्षा उपाय शामिल किए गए हैं, जो फर्जी पहचान और ऑनलाइन धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने के लिए बनाए गए हैं। इस फीचर के तहत यूजर्स बिना मोबाइल नंबर साझा किए केवल यूनिक यूजरनेम के जरिए एक-दूसरे से जुड़ सकेंगे। इस बीच, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने बताया कि सरकार ऐप्पल के अभी तक लॉन्च नहीं हुए आईफोन 18प्रो से जुड़े कथित डेटा लीक की भी जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से कथित रूप से चोरी हुए दस्तावेजों के मामले की जांच जारी है और संबंधित तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार आज से मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर

भोपाल : भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार शनिवार को मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास पर आ रहे हैं। वे पहले दिन इंदौर में बूथ लेवल ऑफिस (बीएलओ) से संवाद करेंगे, जबकि दूसरे दिन ओंकारेश्वर और महेश्वर में विभिन्न धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी आरआर पटेल ने बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त आज इंदौर पहुंचेंगे और यहां लता मंगेशकर सभागृह में आयोजित बीएलओ कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। इस दौरान वे इंदौर, उज्जैन, देवास, धार और खंडवा जिले के 1,500 से अधिक बीएलओ के साथ संवाद करेंगे। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पदभार संभालने के बाद यह उनका पहला मध्य प्रदेश दौरा है। वहीं, इंदौर में बीएलओ के साथ महत्वपूर्ण बैठक और चर्चा के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त दूसरे दिन रविवार को ओंकारेश्वर और महेश्वर जाएंगे। इस दौरान वे ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग दर्शन और मां नर्मदा का पूजन करेंगे, जिसके बाद ऐतिहासिक महेश्वर किले का भी भ्रमण करेंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

कोलकाता की आईटी कंपनी पर ईडी का शिकंजा, विदेशी नागरिकों से 20 करोड़ की ठगी का आरोप

कोलकाता : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी वीआरएम बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड तथा उसके निदेशक राजेश गोयनका समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत विशेष अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया है। एजेंसी ने शनिवार को जारी अपने बयान में बताया है कि कंपनी के परिसर से अवैध कॉल सेंटर संचालित कर विदेशी नागरिकों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई। ईडी ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि इससे पहले जांच के दौरान 2.35 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्तियां और बैंक खातों को जब्त तथा फ्रीज किया गया था। इसके अलावा 11.14 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्तियां भी अस्थायी रूप से कुर्क की गई थीं। जांच एजेंसी के अनुसार, यह मामला इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स बिधाननगर थाना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राजेश गोयनका और अन्य आरोपित प्रतिष्ठित सेवा प्रदाताओं के प्रतिनिधि बनकर विदेशी ग्राहकों को फोन करते थे, उनसे विभिन्न बहानों से धन वसूलते थे और वादा की गई सेवाएं उपलब्ध नहीं कराते थे। ईडी की जांच में सामने आया कि वीआरएम बिजनेस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशक राजेश गोयनका ने अवैध कॉल सेंटर चलाने के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। यहां से संचालित कॉल सेंटर के कर्मचारी विदेशी नागरिकों को सॉफ्टवेयर सेवाएं उपलब्ध कराने के नाम पर ठगी करते थे। एजेंसी के अनुसार, आरोपित कंपनी और उसके निदेशकों ने विदेशी नागरिकों से धोखाधड़ी कर कम से कम 20.35 करोड़ रुपये अर्जित किए। इस धन का उपयोग आभूषण खरीदने और अचल संपत्तियां अर्जित करने सहित अन्य निवेशों में किया गया। जांच में राजेश गोयनका और उनकी कंपनी को अपराध से अर्जित धन का प्रमुख लाभार्थी बताया गया है, जबकि कॉल सेंटर के संचालक और कर्मचारी भी इस अवैध कमाई के लाभार्थियों में शामिल थे। ईडी ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि राजेश गोयनका के संरक्षण में संचालित यह अवैध व्यवस्था सुनियोजित तरीके से विदेशी नागरिकों को निशाना बनाती थी। आरोपित प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर इंटरनेट आधारित दूरभाष सेवाओं के माध्यम से विदेशी नागरिकों से संपर्क करते थे, उन्हें झूठे बहानों से डराते-धमकाते थे और उपहार वाउचर, तकनीकी सहायता, सदस्यता समाप्त करने जैसी अस्तित्वहीन सेवाओं के नाम पर भुगतान कराने के लिए प्रेरित करते थे। इससे विदेशी नागरिकों को आर्थिक नुकसान पहुंचा, जबकि आरोपितों ने अवैध रूप से करोड़ों रुपये अर्जित किए।

पूर्वी इंडोनेशिया के पास 6.2 तीव्रता का भूकंप, किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं

जकार्ता : पूर्वी इंडोनेशिया के नॉर्थ मलुकु प्रांत के पास शुक्रवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप में अभी तक किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। तुर्किए की सरकारी संवाद एजेंसी अनाडोलू और इंडोनेशिया की चैनल न्यूज एशिया (सीएनए) के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 11:31 बजे टोबेलो से लगभग 58 किलोमीटर पश्चिम में आया। इसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई पर था। झटके इतने तेज थे कि आसपास के क्षेत्रों में लोग कुछ सेकंड के लिए घबरा गए। भूकंप के केंद्र से करीब 114 किलोमीटर दूर स्थित टर्नेट शहर के निवासी ने बताया कि झटके के दौरान वे एक कॉफी स्टॉल पर बैठे थे और अचानक कुर्सी हिलने लगी, जिससे उन्हें पिछले भूकंपों की याद आ गई। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने पुष्टि की है कि इस भूकंप के बाद सुनामी का कोई खतरा नहीं है। इंडोनेशिया रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित है, जहां टेक्टोनिक प्लेटों की गतिविधि के कारण भूकंप और ज्वालामुखीय घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इसी वजह से यह देश दुनिया के सबसे भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में से एक माना जाता है।

अवैध पेट्रोल कारोबार का भंडाफोड़, 170 लीटर पेट्रोल समेत लोडर जब्त

औरैया : उत्तर प्रदेश में औरैया जनपद के अयाना थाना क्षेत्र में पुलिस और पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने अवैध पेट्रोल कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। कार्रवाई के दौरान आरोपित के कब्जे से 170 लीटर पेट्रोल बरामद किया गया, जिसे वह बिना लाइसेंस के खरीदकर ऊंचे दामों पर बेचने का काम करता था। मामले में आरोपित के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। थाना अयाना पुलिस मध्य रात्रि में जुहीखा पुल के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान रात करीब 2:45 बजे बिना नंबर प्लेट के एक तीन पहिया टेपों लोडर को रोककर उसकी तलाशी ली गई। वाहन चालक ने अपना नाम पाकर का पूर्वा निवासी दीपेश सिंह बताया। तलाशी के दौरान वाहन से छह प्लास्टिक की केन बरामद हुईं। इनमें एक केन खाली थी, जबकि पांच केनों में कुल 170 लीटर पेट्रोल भरा हुआ मिला। पुलिस ने चालक से पेट्रोल खरीद एवं परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज और रसीद मांगी, लेकिन वह कोई कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। मामले की सूचना मिलते ही पूर्ति निरीक्षक प्रीतम कुमार तिवारी अपनी टीम के साथ पुलिस चौकी बबाइन पहुंचे और जांच शुरू की। पूछताछ में आरोपित ने लिखित रूप से स्वीकार किया कि वह पेट्रोल और डीजल खरीदकर मोटरसाइकिल चालकों को फुटकर में बेचता है। पूर्ति विभाग की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित के पास पेट्रोल भंडारण का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। वह बड़ी मात्रा में पेट्रोल एकत्र कर कालाबाजारी की नीयत से अधिक कीमत पर बिक्री कर रहा था। जांच टीम ने पेट्रोल के नमूने लेकर उन्हें सील कर दिया। बरामद पेट्रोल को सुरक्षित रखने के लिए दुबे फिलिंग स्टेशन अयाना के प्रबंधक की सुपुर्दगी में दिया गया, जबकि बिना नंबर का टेपों लोडर पुलिस अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। थाना प्रभारी जयप्रकाश पाल ने बताया कि पूर्ति निरीक्षक की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच जारी है।

काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट पर पीएसी जवान की कार्बाइन से चली गोली, तीन दुकानदार घायल

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर-4 पर शनिवार को ड्यूटी के दौरान एक पीएसी जवान की लोडेड कार्बाइन हाथ से फिसलकर जमीन पर गिर गई। कार्बाइन गिरते ही उससे अचानक गोली चल गई, जिससे मंदिर परिसर के बाहर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली सीधे सड़क पर लगी। गोली के प्रभाव से सड़क की गिट्टियां उछलकर आसपास मौजूद दुकानदारों पर जा गिरीं, जिससे फूल-माला की दुकान लगाने वाले निक्की गुप्ता, रामबाबू और विकास यादव घायल हो गए। घायलों को मामूली चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। तीनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति सामान्य बताई गई। घटना के बाद मंदिर के गेट नंबर-4 पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

गुजरात एटीएस ने जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध मॉड्यूल का किया भंडाफोड़, 8 आरोपित गिरफ्तार

अहमदाबाद : गुजरात की एंटी-टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने कई राज्यों में संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'दारुल इस्लाम गुजरात जैश-ए-मोहम्मद' से जुड़े एक संदिग्ध मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह मॉड्यूल कथित तौर पर सीमा पार बैठे हैंडलर्स के संपर्क में था और देश-विरोधी गतिविधियों के लिए नेटवर्क तैयार कर रहा था। एटीएस के अनुसार, अभियान में उसकी पांच विशेष टीमों ने गुजरात के बनासकांठा, नवसारी और पाटन जिलों की पुलिस तथा मध्य प्रदेश के देवास पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों को पूछताछ के लिए एटीएस मुख्यालय लाया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित रूप से जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर के विचारों और प्रचार सामग्री से प्रभावित थे। एजेंसी का आरोप है कि वे संगठन के लिए स्थानीय स्तर पर लॉजिस्टिक नेटवर्क तैयार करने, प्रचार-प्रसार करने और भविष्य में संभावित आतंकी गतिविधियों के लिए आधार तैयार करने की दिशा में काम कर रहे थे। जांच एजेंसियों के मुताबिक, इस मामले को जो बात बिल्कुल अलग बनाती है, वह यह है कि कैसे इस मॉड्यूल ने अपने सदस्यों को अलग-अलग शहरों में फैलाया और अंतिम हमले के आदेश का इंतजार करते हुए आसानी से आने-जाने के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाली संपत्तियों का इस्तेमाल किया। ग्रुप को अपने स्थानीय सेटअप के लिए हैंडलर्स से 3 लाख रुपये मिले थे। उन्होंने इन पैसों से एक पुरानी कार खरीदी, जिसे जानबूझकर अपने नाम पर ट्रांसफर नहीं कराया, ताकि उनकी पहचान गाड़ियों के डेटाबेस और ट्रांसपोर्ट रजिस्ट्री से पूरी तरह छिपी रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, चक्रधरपुर में बनेगा आधुनिक टीआरडब्ल्यू

चक्रधरपुर : क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। अब खराब ट्रांसफार्मरों की मरम्मत के लिए चाईबासा का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। चक्रधरपुर में ट्रांसफार्मर रिपेयर वर्कशॉप (टीआरडब्ल्यू) का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है और अगले दो माह के भीतर इसका संचालन शुरू होने की संभावना है।

सहायक अभियंता भामापद टुडू ने बताया कि निर्माण कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। वर्कशॉप शुरू होने के बाद ट्रांसफार्मरों की मरम्मत स्थानीय स्तर पर ही होगी, जिससे बिजली आपूर्ति बहाल करने में कम समय लगेगा।

चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री सुखराम उरांव ने कहा कि नए ग्रिड और आधुनिक ट्रांसफार्मर रिपेयर वर्कशॉप (ळफ्ह) के शुरू होने से क्षेत्र की बिजली व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। इससे शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को भी समय और खर्च दोनों में राहत मिलेगी।

हजारीबाग के विधायक ने की जनसुनवाई, सैकड़ों की संख्या में पहुंचे फरियादी

हजारीबाग : सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कटकमदाग प्रखंड में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं को सुनना और उनका निराकरण करने के लिए कदम आगे बढ़ाना था। कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और पुरुष अपने-अपने फरियाद लेकर पहुंचे।

भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद पहले अपने दफ्तर में जनता दरबार लगाते थे। अब अपने दफ्तर से बाहर निकाल कर प्रखंड कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पहला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन कटकमदाग प्रखंड में रखा गया। कार्यक्रम में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के अलावा प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत कई लोग शामिल हुए।

इस कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति भी देखने को मिली। अधिकतर ग्रामीण जमीन से जुड़ी समस्या को लेकर जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचे। वहीं कुछ लोग आवास योजना का लाभ, राशन कार्ड में नाम चढ़ावाने की समस्या को लेकर भी आवेदन दिया। लोगों का कहना है कि प्रखंड कार्यालय में चक्कर लगा लगाकर परेशान है। अब विधायक प्रदीप प्रसाद ने जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया है इससे उम्मीद जागी है की समस्या का समाधान होगा।

प्रदीप प्रसाद ने कहा कि प्रखंड कार्यालय में अफसर शाही देखने को मिलता है। कई दलाल तरह के लोग भी प्रखंड में सक्रिय रहते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को राहत देना है ताकि उनकी समस्या का समाधान हो सके। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हर महीने के पहले सप्ताह के शुक्रवार को जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन कटकमदाग प्रखंड में होगा। यह कोशिश की जाएगी कि हर प्रखंड में ऐसा कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। ताकि ग्रामीण लोगों की समस्या का समाधान हो सके।

कार्यक्रम के दौरान प्रदीप प्रसाद को स्थानीय लोगों ने जानकारी दिया कि प्रखंड कार्यालय परिसर में शौचालय का भी निर्माण किया गया है। लेकिन शौचालय में ताला लटका रहता है। शौचालय के ताला को तोड़ा गया और अंदर देखा गया की स्थिति बेहद खराब थी। टाइल्स टूटे पड़े थे नल बिखरे पड़े थे। प्रदीप प्रसाद ने स्थानीय जनप्रतिनिधि को कहा कि शौचालय को उपयोग करने के लायक बनाया जाए। प्रदीप प्रसाद के समर्थकों ने शौचालय का ताला भी इस दौरान तोड़ दिया।

जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो की संख्या में लोगों का पहुंचना यह बताता है कि ग्रामीण काफी परेशान है और उनकी समस्या का समाधान प्रखंड कार्यालय में नहीं हो रहा है। बहरहाल इस आयोजन से कितना लाभ लोगों को मिलेगा यह तो समय ही तय करेगा।

बोकारो ट्रैफिक पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान, जांच में 29 ऑटो जब्त

बोकारो : ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए सघन वाहन जांच अभियान चलाया। सेक्टर-4 स्थित एलआईसी मोड़ और गांधी चौक पर चलाए गए इस अभियान में करीब 150 वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान 29 ऑटो को जब्त कर थाना परिसर में रखा गया है। जबकि सभी ऑटो चालक थाने में उपस्थित हैं।

इस संबंध में ऑटो चालकों ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि वे लोग गाड़ी में वाहन के कागजात नहीं रखते हैं। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को भरोसा दिलाया था कि वाहन मालिक के घर से कागजात लाकर थाना में जमा कर देंगे। यह आश्वासन देने के बावजूद उनके ऑटो जब्त कर लिए गए हैं।

एलआईसी मोड़ और गांधी चौक पर चलाया गया अभियान

बोकारो ट्रैफिक इंस्पेक्टर नीतीश कुमार के नेतृत्व में सेक्टर-4 के एलआईसी मोड़ और गांधी चौक पर विशेष वाहन जांच अभियान के दौरान दोपहिया वाहन, चारपहिया वाहन और ऑटो समेत करीब 150 वाहनों के कागजात और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से विशेष जांच अभियान चलाया गया। जिन वाहनों के दस्तावेज अधूरे या नियमों का उल्लंघन करते पाए गए हैं उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

जब्त वाहनों के कागजातों का सत्यापन कर रही पुलिस

जांच के दौरान 29 ऑटो को जब्त कर सेक्टर 4 थाना परिसर में रखा गया है। पुलिस सभी वाहनों के दस्तावेजों का सत्यापन कर रही है। कागजातों की जांच में किसी तरह की गड़बड़ी पाई गई तो मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान काटते हुए जुमार्ना लगाया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गोड्डा में 22,418 छात्र-छात्राओं को मिलेगी साइकिल जिला स्तरीय समिति की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 9 प्रखंडों के वर्ग-8 के विद्यार्थियों को मिलेगा योजना का लाभ, पारदर्शी और समयबद्ध वितरण के निर्देश

बिनय मिश्रा

गोड्डा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत जिले के सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत वर्ग-8 के 22,418 छात्र-छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय साइकिल वितरण अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले के सभी नौ प्रखंडों से प्राप्त प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कल्याण कार्यालय द्वारा प्रस्तुत विद्यालयवार एवं प्रखंडवार लाभुकों की सूची, पात्र विद्यार्थियों का विवरण तथा वितरण प्रक्रिया की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार जिले के कुल 22,418 विद्यार्थियों को साइकिल वितरण योजना का लाभ मिलेगा। इनमें 10,570 छात्र और 11,848 छात्राएं शामिल हैं।

प्रखंडवार लाभुकों की संख्या इस प्रकार है– गोड्डा 4,298, पथरगामा 2,225, सुंदरपहाड़ी 653, बोआरीजोर 1,514, महागामा 4,088, बसंतराय 1,794, ठाकुरगंगटी 2,102, मेहरमा 2,934 तथा पोड़ैयाहाट 2,810।

बैठक में उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया कि साइकिल वितरण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और सरकार के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी की जाए। उन्होंने लाभुकों का सत्यापन, अभिलेखों का मिलान तथा विद्यालयवार सूची के पुनः सत्यापन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कोई भी पात्र छात्र-छात्रा योजना के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए।

उन्होंने वितरण के दौरान सभी आवश्यक अभिलेखों का समुचित संधारण सुनिश्चित करने और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर योजना का सफल एवं सुचारू क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

बैठक में उप विकास आयुक्त विस्पुते कांत यशवंत, जिला कल्याण पदाधिकारी सुधीर प्रसाद सिंह, जिला शिक्षा पदाधिकारी मिथिला टुडू, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

हैदरनगर में बढ़ते अपराध एवं नशे के कारोबार पर तत्काल कार्रवाई की मांग

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : हैदरनगर थाना क्षेत्र में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं और खुलेआम चल रहे नशे के अवैध कारोबार को लेकर भाजपा नेता पूर्व जिला मंत्री सोमेश सिंह ने गहरी चिंता व्यक्त की है उन्होंने कहा की क्षेत्रवासियों में काफी आक्रोश है। हत्या, मारपीट, अपहरण, दुष्कर्म एवं चोरी जैसी गंभीर घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और नशे के प्रभाव में कई आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो कानून-व्यवस्था की स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है।

पलामू के पुलिस अधीक्षक महोदय से आग्रह किया गया है कि वे इस पूरे मामले का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए आवश्यक कदम उठाएं। वर्तमान थाना शहर से काफी दूर स्थित है तथा बीच में रेलवे क्रॉसिंग होने के कारण पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया प्रभावित होती है, जिसका लाभ अपराधी उठा रहे हैं। मांग की गई है कि पुराने थाना परिसर में भी पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए, नियमित एवं सघन पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए तथा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ विशेष छापेमारी अभियान चलाकर दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

क्षेत्रवासियों ने विश्वास जताया है कि पुलिस प्रशासन द्वारा शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई किए जाने से अपराध पर अंकुश लगेगा, नशे के कारोबार पर रोक लगेगी तथा आम नागरिकों में सुरक्षा और कानून के प्रति विश्वास मजबूत होगा।

एसपी के निर्देश पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की हुई सघन जांच

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : असामाजिक तत्वों पर प्रभावी निगरानी एवं यातायात व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान संचालित किया गया।

जांच के दौरान बिना नंबर प्लेट के वाहन, फैंसी नंबर प्लेट वाले वाहन, ब्लैक फिल्म लगे वाहन, वाहनों में अतिरिक्त मोडिफिकेशनवाले वाहनों का जांच किया गया। इस दौरान कुल दो पहिया 420 एवं चार पहिया 457 वाहनों की जाँच की गई। इस दौरान 04 दो पहिया वाहन का चालान किया गया एवं 03 दो पहिया वाहन के विरुद्ध कार्रवाई की गई। साथ ही 09 चार पहिया वाहन का ब्लैक फिल्म उतारा गया।

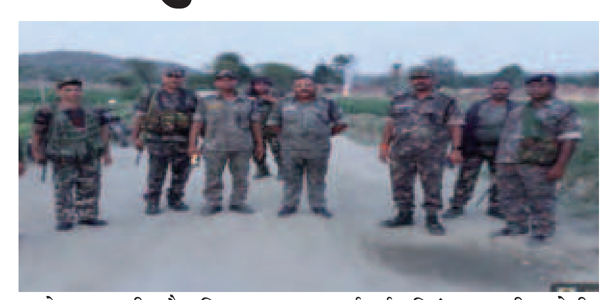

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पलामू पुलिस नागरिकों से अपोल करती है कि वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, अपने वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें तथा यातायात नियमों का पालन करें। नियमों का पालन करने वाले जिम्मेदार नागरिकों का सम्मान करना और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना ही पलामू पुलिस की प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध पलामू पुलिस की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। 'सुरक्षित नागरिक, जिम्मेदार नागरिक और संवेदनशील पुलिस की भावना के साथ पलामू पुलिस सेवा, सुरक्षा और विश्वास के सिद्धान्त पर कार्य कर रही है। आम नागरिकों से अपील है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति / गतिविधि की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल पुलिस नियंत्रण कक्ष (112) को सूचित करें। आपका सहयोग ही अपराध मुक्त एवं सुरक्षित समाज की सबसे बड़ी ताकत है।

गजलीटांड़ डंप से 45 लाख का कोयला लूट ले गए अपराधी

संवाददाता

धनबाद : कतरास क्षेत्र के अंगारपथरा ओपी में संचालित आरके कोल माइंस प्राइवेट लिमिटेड (एएसजीकेसीसी) के गजलीटांड़ कोल डंप पर हथियारबंद अपराधियों ने धावा बोलकर सुरक्षा कर्मियों के साथ मारपीट की, हवाई फायरिंग की और करीब 450 टन कोयला (अनुमानित कीमत 45 लाख रुपये) लूटकर फरार हो गए। घटना के विरोध में कार्रवाई करने पहुंचे कंपनी के अधिकारियों पर भी अगले दिन जानलेवा हमला किए जाने का आरोप लगा है। दोनों मामलों में पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई है।

बिहार सिक्योरिटी सर्विस के संचालक संजय शर्मा ने अंगारपथरा ओपी में दिए आवेदन में बताया कि एक जुलाई की रात करीब 11:30 बजे काले रंग की स्कॉर्पियो से पहुंचे हथियारबंद बदमाशों ने मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को पिस्तौल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। गेट खुलते ही चार-पांच अपराधी अंदर घुस आए और सुरक्षा कर्मियों उज्ज्वल पांडेय, सुरेंद्र भुईया, शत्रुघ्न पांडेय, जयंती सिंह तथा कंपनी कर्मी केदार यादव, इमरान खान, साहिल व तन्मय सिंह के साथ मारपीट कर उनके मोबाइल छीन लिए। इसके बाद 15 से 20 अन्य लोग भी परिसर में घुस आए। अपराधियों ने सुरक्षा कर्मियों को एक कंटेनर में बंद कर दिया और हवाई फायरिंग करते हुए मुख्य गेट खोलकर 15 से 20 हाइवा तथा तीन जेसीबी की मदद से सुबह करीब 4:30 बजे तक लगभग 450 टन कोयला उठा ले गए। जाते समय बदमाशों ने सुरक्षा कर्मियों के मोबाइल कंटेनर में ही छोड़ दिए। घटनास्थल पर कुछ जिंदा कारतूस मिला है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना से पहले कुछ लोगों ने डंप का वीडियो बनाया था और सुरक्षा कर्मियों को धमकियां भी दी थी, जिससे उनकी संलिप्तता की आशंका जताई गई है। अंगारपथरा ओपी प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिली है, जांच पड़ताल की जा रही है।

दो पक्षों के बीच मारपीट में चार घायल, विरोध में सड़क जाम

धनबाद : कतरास थाना क्षेत्र के फुलवार बस्ती में शुक्रवार की शाम दो पक्षों का विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। लाठी-डंडे और पत्थर चलने से बीसीसीएलकर्मी पिंटू गोप, उनके साथी निर्भय कुमार पांडेय समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने कतरास-तोपचांची मुख्य मार्ग लगभग एक घंटे तक जाम कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। बताया जाता है कि कुछ दिन पूर्व छड़िदारडीह व सिसकारी के युवकों के बीच विवाद हुआ था। आज सिसकारी निवासी बीसीसीएलकर्मी पिंटू गोप और निर्भय कुमार पांडेय बाइक से कतरास बाजार जा रहे थे। इसी बीच फुलवार में टोटो से पहुंचे छड़िदारडीह के कुछ युवकों ने उन पर हमला कर दिया। लाठी-डंडों और पत्थरों से किए गए हमले में पिंटू गोप का सिर फट गया। जबकि साथी निर्भय घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। पिंटू गोप की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें धनबाद सेंट्रल अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि निर्भय कुमार पांडेय का इलाज कतरास के एक निजी अस्पताल में चल रहा है।

रामगढ़ की चुटूपालू घाटी का डीसी-एसपी ने किया निरीक्षण

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के ढूंढे गए उपाय

संवाददाता

रामगढ़ : जिले की चुटूपालू घाटी में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं और जान-माल के नुकसान को देखते हुए जिला प्रशासन गंभीर है। शुक्रवार को डीसी ऋतुराज और एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ करीब छह किलोमीटर लंबी घाटी क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) स्थलों का जायजा लिया गया और सड़क सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान डीसी और एसपी ने घाटी से गुजरने वाले ट्रक चालकों, अन्य वाहन चालकों, स्थानीय लोगों और रामगढ़ पुलिस से लगातार हो रही दुर्घटनाओं के कारणों की विस्तार से जानकारी ली। अधिकारियों ने यह समझने का प्रयास किया कि आखिर किन वजहों से इस मार्ग पर बार-बार सड़क हादसे हो रहे हैं और किन बिंदुओं पर तत्काल सुधार की आवश्यकता है।

आपको बता दें कि एनएच 33 रांची-पटना मुख्य मार्ग चुटूपालू घाटी में लगातार हो रही दुर्घटनाओं से न केवल लोगों की जान जा रही है, बल्कि करोड़ों रुपये की संपत्ति का भी नुकसान हो रहा है। आए दिन ट्रकों के पलटने, वाहनों के टकराने और घंटों तक जाम लगने से आम लोगों के साथ-साथ परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हो रहा है।

डीसी-एसपी ने किया चिन्हित ब्लैक स्पॉटों का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान डीसी और एसपी ने सड़क किनारे क्षतिग्रस्त गार्डवाल, सुरक्षा बैरियर, संकेतक बोर्ड, ढलान वाले हिस्से और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान डीसी ने कई स्थानों पर सुरक्षा इंतजामों में कमी पर नाराजगी जताते हुए ठलअक अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्य तत्काल शुरू करने का निर्देश दिया।

दुर्घटनाओं में कमी लाने के ढूंढे गए उपायः एसपी

रामगढ़ के एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में बताया कि पूरी घाटी क्षेत्र का निरीक्षण किया जा रहा है। जिसमें ठलअक के अधिकारी और सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों के साथ पूरी घाटी क्षेत्र में ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित स्थानों का जायजा लिया गया। दुर्घटनाओं को कैसे कम किया जा सकता है उसके लिए शॉर्ट टर्म उपाय और लॉन्ग टर्म उपाय दोनों की चर्चा की गई। आने वाले समय में घाटी क्षेत्र में दुर्घटना ना हो इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा ठोस उपाय किए जाएंगे।

डीसी ऋतुराज ने इस दौरान ठलअक के अधिकारी को तीन दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। रामगढ़ डीसी ने बताया कि चुटूपालू घाटी में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टेक्निकल टीम को बुलाया गया है। टीम द्वारा निमार्णाधीन सड़क पर प्रत्येक 100 मीटर पर तकनीकी निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन कारणों से दिक्कतें आ रही हैं और तकनीकी दृष्टिकोण से उनमें क्या-क्या सुधार संभव है।

रिपोर्ट मिलने के बाद उठाए जाएंगे कदमः डीसी

डीसी ऋतुराज ने निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीच में कहा कि एनएचएआई को दो से तीन दिनों का समय दिया गया है। इस अवधि में पूरी घाटी का विस्तृत सर्वे कर शॉर्ट टर्म और लॉन्ग टर्म दोनों तरह के सुधारात्मक उपायों की अलग-अलग रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंपी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि तत्काल किए जा सकने वाले उपायों के साथ-साथ भविष्य के स्थायी समाधान भी रिपोर्ट में शामिल किए जाएं।

टेक्निकल टीम ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

उन्होंने कहा कि टेक्निकल टीम ने प्रारंभिक निरीक्षण के दौरान कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इनमें घाटी के विभिन्न स्थानों पर पहले से चिन्हित स्केप (एस्केप) लेन के निर्माण को प्राथमिकता देने की बात शामिल है, जिस पर अब ठोस पहल की जाएगी। इसके अलावा घाटी के दोनों ओर नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन लगातार अभियान चलाएगा। दीर्घकालिक समाधान पर भी चर्चा

दीर्घकालिक समाधान के तहत सड़क के किनारे आवश्यक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है, ताकि भविष्य में एक वैकल्पिक (अल्टरनेट) मार्ग विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि शॉर्ट टर्म उपायों में दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सभी आवश्यक कदम तेजी से उठाए जाएंगे। वहीं लॉन्ग टर्म की योजनाओं को भी जल्द धरातल पर उतारने की दिशा में तेज गति से कार्य किया जाएगा। रिपोर्ट में दुर्घटनाओं के वास्तविक कारण, चिन्हित ब्लैक स्पॉट, उन्हें दुरुस्त करने की कार्ययोजना और भविष्य में हादसों की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले ठोस कदम शामिल करने को कहा गया है।

चुटूपालू घाटी लंबे समय से सड़क हादसों के लिए बदनाम रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत और मांग के बावजूद सड़क सुरक्षा के स्थायी उपाय एनएचएआई की ओर से नहीं किए गए, जिसके कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही है। अब जिला प्रशासन के सख्त रुख के बाद उम्मीद जगी है कि ठलअक इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सुधार करेगा, ताकि इस घाटी में लगातार हो रहे हादसों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।